TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday | tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition
पोइया घाट में पेयजल परियोजना का निरीक्षण... (पेज-3)
पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-52 | मूल्य ₹7 | सोमवार | दिनांक- 24.08.2026

जल्द मिलेगी सस्ती चीनी: ब्राजील से आने वाली है बड़ी खेप

एजेंसी, नई दिल्ली।

देश में चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच राहत की उम्मीद जगी है। ब्राजील से आयात की जाने वाली कच्ची चीनी की कुछ खेप 15 अक्तूबर से पहले भारत पहुंच सकती है। हालांकि, तब तक कितनी चीनी देश में पहुंचेगी, इसका सटीक अनुमान लगाना अभी मुश्किल है। सहकारी चीनी मिलों के राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष प्रकाश नाईकनावारे ने रविवार को कहा कि फिलहाल भारत के लिए चीनी आयात का सबसे व्यावहारिक विकल्प ब्राजील ही है। थाईलैंड भी पहले भारत को चीनी की आपूर्ति करने वाला प्रमुख देश रहा है, लेकिन वहां फिलहाल खुद चीनी की कमी है।

इस बीच, चीनी की जमाखोरी और कीमतों में तेजी को लेकर सरकार की सख्ती का असर भी दिखने लगा है। शनिवार को खुली निविदाओं में मिलों से निकलने वाली चीनी का भाव करीब पांच रुपये प्रति किलो घट गया।

ब्राजील से आने में लगते हैं 40 से 45 दिन

ब्राजील से भारतीय बंदरगाहों तक चीनी पहुंचने में जहाज को करीब 40 से 45 दिन लगते हैं। इसके बाद कच्ची चीनी को बंदरगाहों से मिलों तक पहुंचाया जाता है और आगे उसकी प्रक्रिया होती है। नाईकनावारे ने कहा कि इसी वजह से 15 अक्तूबर तक भारत पहुंचने वाली चीनी की कुल मात्रा का अभी अनुमान लगाना संभव नहीं है। हालांकि, कुछ खेप के इस तारीख से पहले पहुंचने की संभावना अच्छी है।

5,600 रसोइयों को मिले कैशलेस चिकित्सा कार्ड

- प्रत्येक को 5 लाख रुपये तक के इलाज की मिलेगी सुविधा
- पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों का सम्मान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिला पंचायत अध्यक्ष डा. मंजू भदौरिया, जिलाध्यक्ष भाजपा प्रशांत पौनिया, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जिलाधिकारी मनीष बंसल व मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, बीएसए राकेश कुमार सिंह द्वारा पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का होली पब्लिक स्कूल, सिकंदरा में मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया।

जुपिटर सभागार, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ से मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों का सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं रसोइयों द्वारा उत्साहपूर्वक देखा व सुना गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय फतेहपुर सीकरी आगरा की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रत्येक विकास खण्ड से 1-1 रसोइया को सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड एवं मानदेय वृद्धि का प्रतिकात्मक चेक का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत 3.54 लाख रसोइयों के सम्मान तथा उन्हें ?5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा कार्ड वितरण की शुरूआत की गई। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के बाद अब पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों को भी 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा से आच्छादित किया गया है। जनपद आगरा में 5,600 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर रसोइयों के मानदेय में 1,000 प्रतिमाह की वृद्धि किए जाने की घोषणा की गई, जिससे अब उनका कुल मानदेय ?3,000 प्रतिमाह हो गया है। साथ ही रसोइयों को ड्रेस/साड़ी के लिए दी जाने वाली राशि को ?500 से बढ़ाकर 1,000 किया गया है। रसोइयों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में 2 लाख तक के दुर्घटना बीमा के लिए भारतीय स्टेट बैंक से एमओयू का आदान-प्रदान भी किया गया।

गौरतलब है कि प्रदेश में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत 3.54 लाख रसोइयों में लगभग 93 प्रतिशत महिलाएं हैं। रसोइयों की कार्यक्षमता एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए किचेन गार्डन एवं पाक कला प्रतियोगिता की शुरूआत की जाएगी। इसके साथ ही पोषण संबंधी विषयों पर पोषण फिल्म के माध्यम से प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के माध्यम से पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के योगदान को सम्मानित करते हुए उनके आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण तथा स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों को रेखांकित किया गया। कैशलेस चिकित्सा सुविधा, बढ़ा हुआ मानदेय, दुर्घटना बीमा एवं ड्रेस के लिए बढ़ाई गई धनराशि से रसोइयों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

वंदे मातरम पर कांग्रेस से आर-पार: जेन-जी को जोड़ने के लिए देशव्यापी अभियान चलाएगी बीजेपी

नई दिल्ली। वंदे मातरम को लेकर भाजपा ने अब कांग्रेस के साथ आर-पार की लड़ाई का संदेश दिया है। भाजपा की नई कार्यकारिणी ने पहली ही बैठक में राष्ट्रीय गीत के सिर्फ दो पद गाने संबंधी कांग्रेस के फैसले के खिलाफ 10 बिंदुओं का प्रस्ताव पास कर वंदे मातरम के पक्ष में देशव्यापी अभियान चलाने की घोषणा की। साथ ही, जेन-जी में उपजे असंतोष को देखते हुए इस वर्ग से देशव्यापी संपर्क साधने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी बना दी है। यह समिति अगले महीने से संपर्क अभियान शुरू करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी ने वंदे मातरम की रक्षा का संकल्प लेते हुए कहा कि राष्ट्रीयगीत को लेकर कांग्रेस कार्यसमिति का फैसला सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण और संकीर्ण राजनीति का हिस्सा है।

मोदी का विजन: भारत बनेगा स्पेस टैलेंट का ग्लोबल हब

दुनिया भर के पेशेवरों को लुभाने की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब एक नई और ऐतिहासिक उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब तक हमारी पहचान मुख्य रूप से सैटेलाइट बनाने और उन्हें अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेजने तक सीमित थी, लेकिन अब यह परिदृश्य पूरी तरह से बदल रहा है। रविवार को तीसरे नेशनल स्पेस डे के विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ में 20 प्रमुख स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स और सीईओ के साथ एक महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक बहुत बड़ा और स्पष्ट विजन साझा किया। उनका स्पष्ट मानना है कि हमें भारत में एक ऐसा उत्कृष्ट माहौल तैयार करना होगा, जो पूरी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टैलेंट को अपनी ओर आकर्षित कर सके।

विदेशी टैलेंट के लिए भारत बनेगा पहली पसंद

प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत को एक ऐसे ग्लोबल हब के रूप में विकसित होना चाहिए, जहां दुनिया भर के पेशेवर खुशी-खुशी अपना करियर बनाना चाहें। उन्होंने स्टार्टअप्स का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमें देश में एक ऐसा आकर्षण या ऑरा पैदा करना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति अंतरिक्ष के क्षेत्र में कुछ असाधारण करना चाहता है, तो उसके मन में सबसे पहला नाम भारत का ही आए। उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसे भारत जाकर किसी भारतीय स्टार्टअप या हमारी स्पेस एजेंसी के साथ जुड़कर काम करना चाहिए।

पीएम मोदी को यह पूर्ण विश्वास है कि यदि हम ऐसा वातावरण बनाने में सफल रहे, तो हम दुनिया भर के टैलेंट को एक चुंबक की तरह अपनी ओर खींच सकते हैं और यही टैलेंट भविष्य में देश की सबसे बड़ी शक्ति बनेगा।

कम लागत और जोखिम लेने की क्षमता है हमारी ताकत

वैश्विक स्तर पर भारत की विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने तीन बड़ी शक्तियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। पहला- हमारी स्पेस तकनीक दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले काफी सस्ती यानी कॉस्ट-कम्पेटिटिव है। दूसरा- हमारे पास उत्कृष्ट टैलेंट की कोई कमी नहीं है। और तीसरा- हमारे लोगों में जोखिम लेने की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारतीयों के स्वभाव में ही रिस्क लेने की हिम्मत रची-बसी होती है। इसी बड़ी खूबी के बल पर हम वैश्विक स्पेस इंडस्ट्री में बहुत तेजी से अपनी एक मजबूत और स्थायी जगह बना सकते हैं।

नीतियों में स्थिरता और स्टार्टअप्स को पूर्ण समर्थन

स्पेस एक ऐसा क्षेत्र है जहां भारी निवेश और संसाधनों की आवश्यकता होती है। ऐसे में नई कंपनियों के लिए सरकार का निरंतर सहयोग और भरोसा अत्यंत आवश्यक होता है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप्स की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने एक बिल्कुल नए और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में कदम रखने की जो हिम्मत दिखाई है, वह वास्तव में सराहनीय है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन कंपनियों ने सरकार की नीतियों पर अपना भरोसा जताया है। पीएम ने स्पष्ट किया कि सरकार अपनी नीतियों को स्थिर रखेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम बार-बार अपने फैसले और नियम नहीं बदलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जोखिम उठाने वाले किसी युवा से अनजाने में कोई गलती हो भी जाती है, तो सरकार उसे मझधार में अकेला नहीं छोड़ेगी। सरकार यही विश्वास हर उद्यमी के मन में सुदृढ़ करना चाहती है।

अमेरिका और यूरोप से भारतीय वैज्ञानिकों की घर वापसी

इस विशेष संवाद में स्पेस इकोसिस्टम के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 20 कंपनियां शामिल थीं। ये कंपनियां लॉन्च व्हीकल, सैटेलाइट, अर्थ ऑब्जर्वेशन, स्पेस रोबोटिक्स और स्पेस-बेस्ड फार्मास्युटिकल्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार कर रही हैं। बैठक में निम्नलिखित कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे:
स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुवा स्पेस, गैलेक्सआई, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस आदि स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने प्रधानमंत्री को एक अत्यंत उत्साहजनक जानकारी दी और उन्होंने बताया कि जब से भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को निजी कंपनियों के लिए खोला है, तब से एक बड़ा सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। अमेरिका और यूरोप की बड़ी अंतरिक्ष कंपनियों में काम कर रहे कई भारतीय नागरिक अब वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे विदेशी नौकरियों का त्याग कर इन स्वदेशी कंपनियों के साथ जुड़कर देश के विकास में योगदान देना चाहते हैं।

सरकार ने वादा निभाया या नहीं: आज समीक्षा करेगी सीजेपी

नई दिल्ली। कॉकरेच जनता पार्टी सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक करेगी। बैठक में केंद्र सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों की समीक्षा होगी। सीजेपी का कहना है कि 25 जुलाई को आंदोलन वापस लेने के बाद से अब तक सरकार ने उससे औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया है। यह भी नहीं बताया गया है कि छात्रों और प्रदर्शनकारियों से जुड़े वादों को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। सीजेपी ने साफ-साफ कहा है कि सोमवार की बैठक में आगे के हर विकल्प पर चर्चा होगी। जरूरत पड़ी तो फिर से देशभर में शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू करने पर भी फैसला लिया जा सकता है। पार्टी का कहना है कि उसने सरकार के भरोसे पर अपना आंदोलन खत्म किया था। इसलिए उसके इस भरोसे को कमजोरी समझना गलत होगा।

मामले से जुड़ी पांच बड़ी बातें

- आंदोलन से जुड़े सभी मामलों को वापस लेने या रद्द करने का आश्वासन दिया गया था।
- भविष्य में किसी छात्र या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी पर दंडात्मक कार्रवाई न करने की बात कही गई थी।
- परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले नीट-यूजी अभ्यर्थियों के परिवारों को मुआवजा देने का भी आश्वासन था।
- सीजेपी ने छात्रों, युवाओं, समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार के फैसले के लिए तैयार रहने को कहा है।
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सीजेपी आगे की पूरी रणनीति तय करेगी।

सीजेपी का यह रुख सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को हुई सुनवाई के कुछ दिन बाद सामने आया है। उस दिन शीर्ष अदालत ने देशभर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी की एक संयुक्त सूची मांगी थी।

पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर पर मेला शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्राचीन पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर पर रविवार को हर-हर महादेव के जयघोष और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो एसपी सिंह बघेल, विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य विजय शिवहरे ने जलाभिषेक, पूजन एवं भोग अर्पित कर आस्था के मेले का शुभारंभ किया। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने बाबा पृथ्वीनाथ के दर्शन किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो एसपी सिंह बघेल ने कहा कि 'पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आगरा की हजारों वर्षों पुरानी सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। श्रावण मास का यह मेला हमें अपनी जड़ों, अपनी परंपराओं और अपनी संस्कृति से जोड़ता है। भगवान शिव की आराधना हमें त्याग, तपस्या, संयम और लोककल्याण का संदेश देती है।''

मंदिर के महंत पंडित अजय राजोरिया ने बताया कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार को प्रातः 3:30 बजे जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक होगा। प्रातः 4 बजे आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे। पूरे दिन छह पहर की आरती होगी। प्रातः काल से ही श्रद्धालु बेलपत्र, धतूरा, शहद, घी, इत्र, गंगाजल, दूध एवं दही आदि अर्पित कर बाबा भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। दिनभर दर्शन, पूजन एवं जलाभिषेक का क्रम चलता रहेगा। शाम 6 बजे बाबा का भव्य श्रृंगार, 8 बजे आरती, फूल बंगला एवं छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। कलाकार भगवान शिव की महिमा का गुणगान करेंगे। रात्रि 11:30 बजे शयन आरती के बाद मध्यरात्रि 12 बजे मंदिर के पट बंद होंगे।

इस अवसर पर भाजपा नेता के.के. भारद्वाज, भाजपा नेत्री बीना लवानियां, सत्येंद्र तिवारी, रवि बंसल, पार्षद शिवेंद्र सिंह, शुभम त्यागी, मुकेश कुशवाह, अविनाश भट्ट, मोहित पांडेय, मुनेश परमार, राधा मनमानी, मनोज अरोरा, नवीन गौतम, राहुल सागर, शिवम सागर, राहुल आर्य व मंदिर समिति के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चाक चौबंद की गई सुरक्षा व्यवस्था

प्रशासन ने मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद कर दी गई है। प्रशासन के साथ-साथ मंदिर समिति व हिंदूवादी संगठन के स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुस्तैद रहेंगे। श्रद्धालु प्रवेश द्वार से पंक्तिबद्ध होकर प्रवेश करेंगे और दर्शन पूजन के बाद निकास द्वार से प्रस्थान करेंगे।

'अरुणाचल की नदियों में तैरना बच्चों का खेल'

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर अपनी फिटनेस को लेकर चर्चा करते हैं। वह तैराकी और जिउ-जित्सु जैसी गतिविधियों का भी जिक्र कर चुके हैं। अब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी को अरुणाचल प्रदेश की तेज बहती नदियों में उतरने से पहले प्रशिक्षण लेने की सलाह दी है। हालांकि, किरेन रिजिजू ने यह बात मजाकिया अंदाज में कही।

मैं अरुणाचल का खिलाड़ी हूं- रिजिजू

किरेन रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अरुणाचल प्रदेश की एक नदी में तैरते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि कई लोग उनकी तैराकी की तुलना राहुल गांधी से कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए यह बचपन से ही सामान्य गतिविधि रही है। उन्होंने खुद को अरुणाचल का खिलाड़ी बताते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां उनके लिए बच्चों के खेल जैसी हैं।

'आरक्षण विरोधी मानसिकता' कोटा सिस्टम के खिलाफ आंदोलन पर मायावती बोलीं-

'पिछड़ों का हक छीनने की साजिश'

एजेंसी, नई दिल्ली।

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मायावती ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण के खिलाफ हुए प्रदर्शन और आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने इसे देशहित के खिलाफ बताते हुए कहा कि ऐसे कदमों से समतामूलक समाज और देश के संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचता है। मायावती ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर जमा हुए लोगों द्वारा उठाई गई मांग को खारिज करते हुए कहा, ''संविधान में एससी, एसटी व ओबीसी समाज को दिए गए आरक्षण के विरुद्ध आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की नई मांग कतई भी उचित व देशहित में नहीं है।''

संवैधानिक कार्यों को आघात

मायावती ने कहा, ''लोगों को आरक्षण के संबंध में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे समतामूलक समाज, विकसित व सम्मानित देश बनाने के संवैधानिक कार्यों को आघात पहुंचे।'' बसपा प्रमुख ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का जिक्र करते हुए कहा कि 'जातिवाद का परित्याग ही सबसे बड़ी देशभक्ति है।' मायावती ने सरकारों की नीतियों और योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा, ''केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा गरीबी उन्मूलन के अनेकों कार्यक्रमों पर काफी सरकारी धन खर्च किया जाता है, किन्तु उसमें व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण इसका सही लाभ लोगों को नहीं मिलता। यह सरकारी व्यवस्था का सीधा-सीधा दोष है। इसके अलावा आर्थिक आधार पर लागू एहर व्यवस्था का भी सही लाभ अपरकास्ट समाज के गरीब परिवारों को नहीं मिल पा रहा है, बल्कि इसमें छलावा अधिक है।''

जातिवादी व्यवस्था और शोषण का आरोप

मायावती ने कहा कि भ्रष्ट और जातिवादी सरकारी व्यवस्था के कारण ही आरक्षण के प्रावधान जमीनी स्तर पर सही से लागू नहीं हो पाए हैं। इसी वजह से आजादी के इतने सालों बाद भी एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग गरीबी, सामाजिक द्वेष और अत्याचार का दंश झेल रहा है।

'ज्ञानोदयन' में दिखेगा आगरा का इतिहास

गार्डन ऑफ नॉलेज में लगेंगी आर्यभट्ट, सुश्रुत, बराहमिहिर, चरक, वेदव्यास, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह की प्रतिमाएं

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- पालीवाल पार्क में टाउन हॉल पुस्तकालय एवं सिटी म्यूजियम का कराया जा रहा निर्माण
- जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्माण व सौंदर्यीकरण, विकास कार्यों का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने नगर निगम द्वारा, पालीवाल पार्क में टाउन हॉल पुस्तकाल एवं सिटी म्यूजियम में कराये जा रहे निर्माण व सौंदर्यीकरण विकास कार्यों तथा पालीवाल पार्क में बन रहे "ज्ञानोदयन"/गार्डन ऑफ नॉलेज" के विकास, सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने पालीवाल पार्क में टाउन हॉल पुस्तकाल एवं सिटी म्यूजियम में कराये जा रहे निर्माण व सौंदर्यीकरण विकास कार्यों का जायजा लिया। इसमें बताया गया कि ग्राउंड फ्लोर पर टाउन हॉल पुस्तकालय का जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। जिसमें आगरा के प्राचीन मोहल्ले तथा उनसे जुड़ा इतिहास जैसे बजीरपुरा उससे जुड़े स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियां, दरेसी, राजामंडी, किनारी बाजार आदि को म्यूरल वॉल पर प्रदर्शित किया जाएगा। लाइब्रेरी में आने वाले पाठकों को डिजिटल व अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं को प्रदान किया जाएगा। प्रथम तल पर सिटी म्यूजियम संबंधी कार्य प्रगति पर हैं।

लाइब्रेरी में ओपन ऑडिटोरियम, फंसाड लाइटिंग आदि का कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी ने ले-आउट प्लान के माध्यम से प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी ली। फर्श में उच्च गुणवत्ता की टाइल्स, सीटिंग अरेंजमेंट, फोटो गैलरी आदि के बारे में दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्माणदाई संस्था से विकसित किए जा रहे पार्क के बारे में जानकारी तलब की। बताया गया कि ज्ञानोदयन"/गार्डन ऑफ नॉलेज पार्क में प्राचीन ऋषि विज्ञानियों यथा आर्यभट्ट,, सुश्रुत, बराहमिहिर, चरक, वेदव्यास आदि की मूर्तियों, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों जिनका संबंध आगरा शहर से रहा है, की मूर्तियों से सुसज्जित होगा। गार्डन ऑफ नॉलेज में 560 मीटर का एक वॉकिंग ट्रैक का निर्माण किया गया है। वॉल म्यूरल, रेन वाटर सिस्टम तथा सौंदर्यीकरण के प्रस्तावित कार्य प्रगति पर हैं। जिलाधिकारी ने मॉर्निंग वॉकर्स के लिए योगा प्लेटफॉर्म विकसित करने तथा वॉकिंग ट्रैक आदि के बारे में दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे जुबेर बेग, अपर नगरायुक्त शिशिर कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण कंसल्टेंट एजेंसी आदि मौजूद रहे।

पत्नी के साथ देख युवक को ईंटों से कुचल डाला

खुद ही ले पहुंचा अस्पताल, पुलिस से बोला- साहब, मैंने मारा है

टीएनएफ टुडे, बाह।

पत्नी के साथ रंगरेलियां मना रहे युवक को देखकर पति का खून खौल उठा और ईंटों से उसका चेहरा कुचल डाला। अचेत होने पर खुद ही घायल को अस्पताल ले पहुंचा। अस्पताल पहुंची पुलिस से युवक बोला- साहब, मैंने मारा है। चिंताजनक हालत में युवक को एसएन मेडीकल कॉलेज आगरा भेजा गया है।

मध्य प्रदेश के गुना शिवपुरी इलाके का युवक अपनी पत्नी के साथ रहकर बटेश्वर की गौशाला में काम करता है।

जबकि फिरोजाबाद के हिमांयूपुर इलाके का युवक बटेश्वर मंदिर के पास खोखा में अपनी मां के साथ दुकान चलाता है। गुना शिवपुरी के युवक ने पुलिस को बताया कि शनिवार दोपहर 2.45 बजे वह गौसेवा कर लौटा था। कमरे में पत्नी के साथ हिमांयूपुर क्षेत्र का युवक आपत्तिजनक हालत में मिला। दोनों को देख कर खून खौल उठा। पति ने युवक को पकड़ कर जमीन पर गिरा लिया और ईंट से ताबड़तोड़ प्रहार कर उसका चेहरा कुचल दिया।

उसने पुलिस को बताया कि चेहरा कुचलने के दौरान युवक ने बचने के लिए उसका गला पकड़ कर दबाने की कोशिश भी की। लेकिन वह युवक के अचेत होने तक प्रहार करता रहा। प्राथमिक उपचार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाह से घायल युवक को बेहतर उपचार के लिए एसएन मेडीकल कॉलेज आगरा भेज दिया। बाह पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है।

अन्नपूर्णा संचालकों संग चेयरमैन का संवाद

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच रविवार को खेरागढ़ की राजनीति में उस समय नई चर्चा छिड़ गई। जब नगर पंचायत चेयरमैन सुधीर गर्ग ह्यगुड्डूह्ल ने देवी मंदिर प्रांगण में तहसील क्षेत्र के अन्नपूर्णा केंद्र संचालकों के साथ सीधा संवाद किया। बैठक में संचालकों की समस्याओं, सम्मानजनक पहचान और बढ़े हुए कमीशन को लेकर खुलकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान अन्नपूर्णा केंद्र संचालकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कमीशन 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने के फैसले का स्वागत किया। संचालकों ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने से उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र सरकार से 25 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त बढ़ोतरी की सिफारिश किए जाने पर भी खुशी जताई गई। संचालकों ने बताया कि अब उन्हें कोटेदार के बजाय अन्नपूर्णा केंद्र संचालक के नाम से पहचान मिल रही है।चेयरमैन सुधीर गर्ग गुड्डू ने कहा कि अन्नपूर्णा केंद्र संचालक गरीबों और जरूरतमंदों तक खाद्यान्न पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी समस्याओं के समाधान और हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। बैठक के दौरान कई संचालकों ने अपने सुझाव भी रखे। चुनावी माहौल में बड़ी संख्या में संचालकों एवं क्षेत्रीय प्रमुख लोगों की मौजूदगी और चेयरमैन के साथ हुआ यह संवाद क्षेत्र में राजनीतिक चचाओं का विषय बना रहा।

पारौली सिकरवार में वन माफिया ने काटे हरे पेड़

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के गांव पारौली सिकरवार में वन माफिया ने नीम और बेरिया के एक दर्जन से अधिक हरे पेड़ों को काटकर जमींदोज कर दिया। पेड़ काटे जाने का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पारौली सिकरवार में वन माफिया ने हरे पेड़ों को काट दिया। किसी ग्रामीण ने पेड़ काटे जाने का वीडियो और फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। क्षेत्र में लगातार हरे पेड़ों के कटान की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की ओर से वन माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से उनके हौसले बुलंद हैं। फतेहाबाद क्षेत्र ताज ट्रेपेजियम जोन टीटीजेड में आने के बावजूद हरे पेड़ों के कटान पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। वन क्षेत्राधिकारी फतेहाबाद विशाल राठौर ने बताया कि मौके पर टीम भेजकर जांच कराई जाएगी। जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खंदौली में कैशलेस चिकित्सा कार्ड का वितरण

एत्मादपुर। खंदौली विद्यालयों में नौनिहालों के स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण की मजबूत नींव रखने वाली रसोइया हेतु सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रदेश सरकार द्वारा उठाया गया। प्रदेश भर के 3.54 लाख मिड-डे मील रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित करने की योजना के तहत विकास खंड खंदौली के ब्लॉक रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आशीष शर्मा ब्लॉक प्रमुख खंदौली/प्रशासक ने शिरकत कर रसोइयों को प्रति 5 लाख के स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यालय की रसोई में जलने वाला चूल्हा केवल भोजन ही नहीं पकाता, बल्कि लाखों बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को भी ऊर्जा देता है। 'पीएम पोषण' योजना की वास्तविक आधारशक्ति इन कर्मयोगी बहनों के प्रति डबल इंजन सरकार का यह कदम कृतज्ञता और उनके सुरक्षित, स्वस्थ व सम्मानजनक जीवन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिचायक है। कार्यक्रम मे खंड शिक्षा अधिकारी अमरनाथ, राहुल सक्सेना, विवेक माहेश्वरी, भुवनेश कुमार, ज्ञान प्रताप सिंह, रोहित भारद्वाज, राजेश कुमार, मृत्युंजय पाठक, अरुणेश कुमार, अध्यापक जयप्रकाश बंसल, विजय यादव, अनिल कुमार निगम, भुवनेश कुमार, तिलक सिंह, गणेश शंकर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कुंदी काटकर घर में घुसे चोर, नगदी-जेवर पार

बाह। चित्राहाट थाने से महज 100 मीटर की दूर स्थित सुनील कुशवाह के घर की शनिवार रात कुंदी काट कर नगदी जेवर चोरी कर लिए। चित्राहाट के सुनील कुशवाह दिल्ली में रह कर पौधशाला का काम करते हैं। घर पर वृद्ध मां फूलन देवी रहती हैं। घर पर नया निर्माण कराने के लिए उसने सामान खरीद कर रखा था। वृद्धा ने पुलिस को बताया कि शनिवार की रात चोरों ने दरबाजे की कुंदी, बक्से की कुंदी काट कर घर बनवाने के लिए रखे 70 हजार रुपये पार कर दिए। सोने की एक अंगूठी, एक जोड़ी झुमकी, एक पेंडल, चांदी की एक जोड़ी पायल आदि सामान चोरी कर ले गये। रविवार की सुबह आंख खुली तो घर के अंदर का मंजर देख कर वह फूट फूट कर रो पड़ी। पड़ोसी के साथ थाने पहुंची और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। चित्राहाट पुलिस ने वृद्धा को जांच एवं कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बेजुबानों का इलाज कर रहे डॉ. शेरसिंह

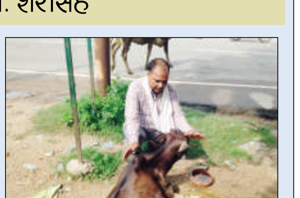

फतेहाबाद। मौसम का मिजाज चाहे जैसा हो और घड़ी में समय कोई भी बजा हो, बेजुबान निराश्रित गौवंश पर कोई आफत आए तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गौसेवा गतिविधि के कार्यकर्ता डॉ. शेरसिंह चौहान के कदम नहीं रुकते। रविवार को मूसलाधार बारिश के बीच उन्होंने एक बार फिर अपनी सेवा भावना की मिसाल पेश की और सड़क हादसे में घायल हुई गाय का मौके पर पहुंचकर उपचार किया। घटना रविवार की है। डॉ. शेर सिंह चौहान को डॉ. प्रमोद वर्मा के द्वारा सूचना मिली कि फतेहाबाद-बाह बाईपास मार्ग स्थित फिरोजाबाद तिराहे के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने गाय को टक्कर मार दी है। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल गाय सड़क किनारे तड़प रही थी। सूचना मिलते ही शेर सिंह चौहान भारी बारिश की परवाह किए बिना अपनी मेडिकल किट संभालकर तुरंत मौके के लिए रवाना हो गए। घटनास्थल पर पहुंचकर उन्होंने बिना कोई समय गंवाए घायल गाय का प्राथमिक इलाज शुरू किया और उसकी जान बचाई। डॉ. शेर सिंह चौहान ने बताया कि बेसहारा, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त निराश्रित गौवंश की रक्षा करना ही उनका मुख्य ध्येय है। उन्होंने कहा, जब भी किसी पीड़ित गौवंश की सूचना मिलती है, तो दिन हो या रात, आंधी हो या बारिश सेवा के लिए तुरंत निकलना ही पहला धर्म बन जाता है। संघ कार्यकताओं और कस्बावासियों ने उनके गौसेवा कार्य की सराहना की है।

मुख्यमंत्री को वर्चुअल सुनकर जताया आभार

बाह। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम पोषण योजना के तहत परिषदीय विद्यालयों में तैनात रसोइयों को रविवार को चार सुविधाओं की घोषणा वर्चुअल संबोधन में की। तहसील बाह के सभागार में मुख्यमंत्री को सुनने के बाद एसडीएम बाह विनोद कुमार, ब्लॉक प्रमुख लाल सिंह चौहान, तहसीलदार न्यायिक दयाचंद पौरुष, खंड शिक्षा अधिकारी धर्मराज सरोज ने रसाइयों को सम्मानित कर उन्हें कैशलेस चिकित्सा सुविधा के कार्ड प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने रसोइयों का मानदेय 2000 से बढ़ा कर 3000 रुपये किए जाने, 2 लाख के दुर्घटना बीमा की व्यवस्था किए जाने, परिधान (ड्रेस) की धनराशि 500 से बढ़ा कर 1000 किए जाने की घोषणा का रसोइयों सीता, नेहा, आराधना, कमलेश, ममता आदि ने स्वागत किया। उन्होंने बताया कि रसोइयों का सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने मानदेय और बढ़ाए जाने की उम्मीद भी मुख्यमंत्री से जताई है। इस दौरान राजीव शर्मा, हरीशंकर राजपूत, सत्यप्रकाश मौर्य आदि रहे।

सांड से टकराई बाइक, सवार घायल

बाह। नरहोली गांव में सांड से बाइक टकराने से सवार घायल हो गया। आगरा इटावा स्टेट हाइवे पर नरहोली गांव के पास शनिवार की रात 8 बजे गांव के रामअवतार की बाइक सांड से टकरा गई। जिससे वह बाइक समेत सड़क पर घिसट गया। मौके पर पहुंचे पड़ोसी ने एंबुलेंस की मदद से घायल रामअवतार को इलाज के लिए बाह सीएचसी पर भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एसएन मेडीकल कॉलेज आगरा के लिए रेफर कर दिया। वहीं दूसरे हादसे में राजारामपुरा के सुनील कुमार घायल हो गया। उसे भी इलाज के लिए बाह सीएचसी पर भर्ती कराया गया।

फतेहाबाद में मूसलाधार बारिश से जलभराव

फतेहाबाद। फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग पर नगला लोहिया कट अंडरपास के पास बारिश के चलते जलभराव हो गया है। राहगीरों व कावड़ियों को निकालने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रविवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग पर नगला लोहिया कट के पास रास्ते में जलभराव हो गया।जिससे राहगीरों व कावड़ियों को निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं लोगों का कहना है कि बारिश का पानी हर बार भर जाता है। एक्सप्रेसवे का पानी आ जाने के कारण जलभराव हो जाता है। वहीं लोगों का कहना है बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था न होने कारण जलभराव हो जाता है।

सिर्फ कांवड़ियों के लिए चला स्टीमर

चंबल घाट पर एक चक्कर के बाद फिर बंद

पिनाहट (आगरा)। आठ दिन से बंद पड़ा स्टीमर रविवार को सिर्फ कांवड़ियों के लिए चलाया गया। एक चक्कर लगाने के बाद उसे फिर बंद कर दिया गया।

सावन के अंतिम सोमवार के लिए मध्यप्रदेश की ओर जाने वाले बड़ी संख्या में कांवड़िए रविवार सुबह करीब 10 बजे चंबल नदी पिनाहट घाट पर पहुंच गए। घाट पर स्टीमर बंद होने से कांवड़ियों की भारी भीड़ जमा हो गई और हंगामे की स्थिति बन गई। भीड़ और हंगामे की सूचना पर पिनाहट पुलिस ने मध्यप्रदेश प्रशासन से फोन पर बात की। सहमति मिलने के बाद दोपहर करीब 12 बजे एक चक्कर में कांवड़ियों की भीड़ को स्टीमर से मध्यप्रदेश की ओर भेजा गया। इसके बाद भी शाम तक कांवड़ियों की भीड़ घाट पर इकट्ठा होती रही। इंस्पेक्टर पिनाहट वी.पी. गिरि ने बताया कि मध्यप्रदेश प्रशासन से फोन पर बात कर सिर्फ कांवड़ियों के लिए स्टीमर चलाने की सहमति ली गई है। एक चक्कर सुबह लग चुका है, दूसरा चक्कर देरशाम लगाया जाएगा।

बोदला कर अधिवक्ता परिवार ने मनाया तीज उत्सव

सावन के गीतों पर महिलाओं ने बांधा समा, ममता द्विवेदी बनीं 'तीज क्वीन'

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कलवारी स्थित राधा मोहन रिसॉर्ट में बोदला कर अधिवक्ता परिवार की ओर से दाल-बाटी उत्सव और हरियाली तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह पारिवारिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम बेहद हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी समारोह में शहर के जाने-माने कर अधिवक्ताओं और उनके परिवारजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर आपसी सौहार्द, प्रेम और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत परिचय दिया।

समारोह के दौरान सावन के मल्हार और लोकगीतों की गूंज के बीच महिलाओं ने खूब उत्साह दिखाया। इस शानदार सांस्कृतिक छटा के बीच ममता द्विवेदी ने अपनी उत्कृष्ट वेशभूषा, गजब के आत्मविश्वास और बेहतरीन प्रतिभा के बल पर 'तीज क्वीन' का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। जब उनकी ताजपोशी हुई, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस कड़ी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर सरिता वार्ष्णेय रहीं। जबकि तृतीय स्थान शालिनी जैन ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी कला से मंच पर ऐसा जादू बिखेरा कि हर कोई मंत्रमुग्ध रह गया। नन्हे-मुन्ने कलाकारों ने देशभक्ति गीतों, सावन के पारंपरिक लोकगीतों और विभिन्न मनोरंजक धुनों पर एक से बढ़कर एक डांस और नाटक पेश कर वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। प्रमुख रूप से अनिल आदर्श जैन, राजेन्द्र शर्मा, मनोज शर्मा, कृष्ण नारायण द्विवेदी, जीएस कुशवाहा और संजय भटनागर शामिल रहे। भुवनेन्द्र वार्ष्णेय, सीताराम छावड़ा, मुकेश खंडेलवाल, सौरभ खंडेलवाल, स्वतंत्र कुमार कुलश्रेष्ठ और सौरभ बंसल उपस्थित रहे।

तहसील सभागार में लाइव देखा रसोईया सम्मान

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत रविवार को तहसील सभागार फतेहाबाद में रसोईया सम्मान समारोह आयोजित हुआ। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमर सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुए कार्यक्रम में लगभग 100 रसोइयों व शिक्षकों ने भाग लिया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज्यस्तरीय सजीव प्रसारण को दिखाया गया, जिसमें उन्होंने रसोइयों के कल्याण हेतु 4 योजनाओं के क्रियान्वयन की घोषणा की। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड देकर सम्मानित किया गया। तहसीलदार शिखर मिश्रा ने कोरोना काल और चुनाव जैसी कठिन परिस्थितियों में रसोइयों द्वारा दी गई सेवाओं की सराहना की। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी जगत सिंह राजपूत ने भोजन पकाते समय स्वच्छता बरतने और रसोईघर में किसी अपरिचित को प्रवेश न देने की हिदायत दी। कार्यक्रम का संचालन पूर्व एआरपी संजय शर्मा ने किया। समारोह में मंजू देवी, बेबी, माया देवी, रामा देवी, विनीता देवी, भूरी देवी, कमला, राजो देवी व बबली को सम्मानित किया गया। इस दौरान मनीष कुमार, जयपाल सिंह, सुमेंद्र कुमार, मोहित, राजभान सिंह सहित मौजूद रहे।

दहेज हत्या में वांछित सास को जेल भेजा

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने रविवार को दहेज हत्या में वांछित सास को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि वादी ने 4 अगस्त थाने में तहरीर देकर बताया कि अपनी पुत्री का विवाह दो वर्ष पूर्व फतेहाबाद के ग्राम ईधौन निवासी रवि पुत्र चौबे के साथ किया था। अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। मांग पूरी न होने पर 2 अगस्त को ससुराल वालों ने साजिश के तहत पुत्री की हत्या कर दी। मामले को छिपाने के लिए शव को यमुना नदी में फेंक दिया। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। रविवार को पुलिस ने प्रतापपुरा मोड़ के पास से आरोपी सास को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

नशा भगाओ, दांव लगाओ के नारे संग होगा दंगल

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को खेरागढ़ की ऐतिहासिक धरती एक बार फिर पहलवानों के दांव-पेच की गवाह बनेगी। नशा भगाओ, दांव लगाओ, थीम पर आयोजित होने वाले दंगल को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजक नगर पंचायत चेयरमैन सुधीर गर्ग ह्यगुड्डू ने बताया कि इस बार दंगल को नशामुक्ति और फिट इंडिया अभियान से जोड़ते हुए भव्य रूप दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि दंगल में प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के नामी पहलवान अखाड़े में उतरेंगे। सैकड़ों पुरुष पहलवानों के साथ महिला पहलवान भी अपने दांव-पेच का प्रदर्शन करेंगी। आयोजन स्थल पर युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प भी दिलाया जाएगा।

बताया कि खेरागढ़ में खेल प्रतिभाओं को मंच देने की परंपरा लगातार आगे बढ़ रही है। पिछले वर्ष जहां दंगल ह्यएक राष्ट्र-एक चुनावह्ल की थीम पर आयोजित हुआ था, वहीं इस बार इसे नशामुक्त युवा और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ा गया है।उन्होंने कहा कि खेरागढ़ की माटी में सिर्फ कुश्ती नहीं होगी, बल्कि युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने का संदेश भी दिया जाएगा।

बारिश में त्रिपाल तानकर किया अंतिम संस्कार

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

विकास खंड के गांव भाकर में शनिवार को श्मशान घाट की अव्यवस्थाएं उस समय उजागर हो गईं। जब 75 वर्षीय रामबेटी पत्नी स्व. रामफूल के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों और ग्रामीणों को बारिश के बीच त्रिपाल का सहारा लेना पड़ा। सुबह चार बजे निधन होने के बाद परिजनों ने बारिश थमने का इंतजार किया, लेकिन लगातार वर्षा के चलते सुबह करीब दस बजे मजबूरी में अंतिम संस्कार करना पड़ा। ग्रामीणों ने बांसों पर त्रिपाल तानकर चिता को बारिश से बचाया। कई लोग घंटों तक त्रिपाल पकड़े खड़े रहे, तब जाकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हो सकी। श्मशान घाट तक पहुंचने वाला रास्ता भी कीचड़ और जलभराव से भरा था, जिससे अर्थी ले जाने में काफी परेशानी हुई। परिजन जसवंत सिंह ने बताया कि श्मशान घाट पर टिनशेड, पीने के पानी और बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है। कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि श्मशान भूमि के कुछ हिस्से पर कब्जा भी है, जिससे समस्या और बढ़ गई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने श्मशान घाट पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और रास्ते को दुरुस्त कराने की मांग की है।

पुरानी पेंशन बहाली और टीईटी मुक्ति की मांग

प्राथमिक शिक्षक संघ ने विधायक धर्मपाल सिंह को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक खंदौली इकाई के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक धर्मपाल सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान शिक्षकों ने विधायक को एक ज्ञापन सौंपकर पुरानी पेंशन बहाल करने और सेवारत शिक्षकों को टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता से मुक्ति दिलाने की मांग की।

खंदौली ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश सारस्वत और ब्लॉक मंत्री सुमित भारद्वाज के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक का चित्र स्वरूप भेंट कर और पटका पहनाकर स्वागत किया। बैठक में परिषदीय शिक्षकों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने शिक्षकों की समस्याओं को ध्यान से सुना और इन मांगों पर सकारात्मक सहयोग के साथ हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

इस दौरान ब्लॉक उपाध्यक्ष सचिन चौहान, ब्लॉक संगठन मंत्री राजेश सिंह, ब्लॉक कोषाध्यक्ष मोहित पांडे, ब्लॉक मीडिया प्रभारी सनी कुमार और ब्लॉक सूचना प्रभारी मयंक प्रकाश शामिल थे। शिक्षकों का कहना है कि पुरानी पेंशन की बहाली और टीईटी से मुक्ति उनके भविष्य के लिए बेहद जरूरी कदम हैं।

देवीप्रसाद बने एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ की आगरा शाखा के चुनाव शनिवार शाम को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। रिटर्निंग ऑफिसर व उपमुख्य चिकित्साधिकारी आगरा की देखरेख में जारी परिणामों में सीएचसी शमशाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी देवी प्रसाद कुशवाह 476 मत हासिल कर नए जिलाध्यक्ष चुने गए। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी महेंद्र सिंह यादव को 363 और कुलदीप सिंह राणा को 220 वोट मिले। महामंत्री पद पर लैब टैकनीशियन दामोदर सिंह प्रजापति ने 651 मत पाकर अपने प्रतिद्वंद्वी नवी हुसैन 408 मत को पराजित किया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए सीएचसी फतेहपुर सीकरी के सीएचओ योगेश 626 वोट हासिल कर निर्वाचित घोषित किए गए, जिन्होंने डॉ. संजीव कुमार माहेश्वरी 424 मत को मात दी। कोषाध्यक्ष पद पर सीएचसी खेरागढ़ के सीएचओ रवि शर्मा ने सबसे अधिक 761 मत प्राप्त कर अजहर खान 304 मत को शिकस्त देकर बड़ी जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के हितों और समस्याओं के निस्तारण के लिए सदैव तत्पर रहने की अपेक्षा जताई गई।

रसोइया माताओं को मिला सम्मान

खेरागढ़। तहसील सभागार में रविवार को पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइया माताओं का सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षत्रिय विधायक एवं खंड शिक्षा अधिकारी ने रसोइया माताओं को सम्मानित करते हुए सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया।

पोइया घाट में पेयजल परियोजना का निरीक्षण

यमुना पर डीएम ने देखा निर्माणाधीन 55 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं 85 एमएलडी इंटेक वेल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने रविवार को पोइया घाट क्षेत्र में यमुना नदी पर उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निमार्णाधीन वृहद पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने निमार्णाधीन इंटेक वेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, पाइपलाइन नेटवर्क, एप्रोच रोड सहित परियोजना से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों से परियोजना की तकनीकी संरचना, वर्तमान प्रगति, कार्य की गुणवत्ता, पेयजल वितरण व्यवस्था तथा परियोजना को पूर्ण किए जाने की समयसीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

बताया गया कि पेयजल मिशन के अंतर्गत पोइया घाट क्षेत्र में यमुना नदी पर लगभग 85 एमएलडी क्षमता के इंटेक वेल तथा लगभग 55 एमएलडी क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कराया जा रहा है। इंटेक वेल के माध्यम से यमुना नदी से कच्चा पानी लेकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में उसका शोधन किया जाएगा तथा शुद्ध पेयजल को पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से यमुना पार क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों एवं आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा।

परियोजना के अंतर्गत लगभग 231 किलोमीटर लंबी पेयजल पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य भी प्रारंभ किया जा चुका है। परियोजना के पूर्ण होने के उपरांत ट्रांस यमुना कॉलोनी, कालिंदी विहार, फाउंड्री नगर, शाहदरा, राज नगर, सीता नगर, नगला रामदास, कछपुरा सहित यमुना पार क्षेत्र के 100 से अधिक गली-मोहल्लों एवं कॉलोनियों में नियमित पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ किया जाएगा। परियोजना से लगभग 55 हजार परिवारों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य है।

जिलाधिकारी ने निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया तथा निर्धारित मानकों के अनुपालन के संबंध में भी जानकारी तलब करने के उपरांत निर्देश दिए कि परियोजना के विभिन्न निर्माण चरणों में निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता परीक्षण कराया जाए तथा थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन के माध्यम से निर्माण कार्य की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हेमंत कुमार, एडीएम नमामि गंगे जुहैर बेग सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

साइंस पार्क जलाएगा छात्रों के दिमाग की बत्ती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने रविवार को कोठी मीना बाजार के पास निमार्णाधीन ₹साइंस पार्क₹ का निरीक्षण किया। संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में तेजी लाने व ससमय गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट का ले-आउट प्लान देखा। परिसर का भ्रमण कर भौतिक प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित से प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी तलब की। बताया गया कि 11149 स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल में 3962.48 लाख की धनराशि से साइंस पार्क का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 02 एक्जीबेशन हॉल, का कार्य 55 प्रतिशत, एंट्रेंस कॉरिडोर का 60

प्रतिशत, गार्ड रूम 10 प्रतिशत के साथ निर्माण कार्य प्रगति पर है। कार्य की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने संबंधित से जवाब तलब किया। निर्माण कार्य पूर्ण करने की देय तिथि की जानकारी तलब की। बताया गया कि मार्च 2027 तक प्रोजेक्ट पूर्ण करना है। धीमी प्रगति के बारे में बताया गया कि ले आउट कराते समय उपलब्ध करायी गयी भूमि पर्याप्त नहीं थी। पुनः भूमि का चिन्हांकन करते हुए कैंपस के दूसरी तरफ भूमि उपलब्ध करायी गयी।

जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियंता तथा

- मार्च-2027 तक तैयार होगा हाई-टेक साइंस पार्क, स्पेस साइंस गैलरी, प्लेनेटरियम डायनासोरियमफन
- विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच विकसित करने का बनेगा केन्द्र

कॉन्ट्रैक्टर को गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि साइंस पार्क विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच विकसित करने का आकर्षक केंद्र बने। इस हेतु विभिन्न आधुनिक साइंस पार्क की सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

गौरतलब है कि साइंस पार्क की अत्याधुनिक परियोजना में छात्रों के लिए विज्ञान, खगोलशास्त्र और तकनीकी शिक्षा से जुड़े आकर्षक प्रदर्शनी हॉल, कार्यशाला सौर ऊर्जा प्रणाली जैसी सुविधाएं होंगी। हाई-टेक साइंस पार्क में प्लेनेटरियम/स्पेस साइंस गैलरी से लेकर डायनासोरियम, फन विद साइंस गैलरी, एमर्जिंग /डिजिटल टेक गैलरी, एंसिएंट इंडियन साइंस गैलरी, एक्वा पार्क तक सब एक ही छत के नीचे होंगे। साइंस पार्क परिसर में एग्जिबिशन हॉल, साइंस वर्कशॉप हॉल, पैंट्री, टिकट काउंटर, पार्किंग, क्लॉक रूम, कैफेटेरिया के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं प्रस्तावित हैं। साइंस पार्क न केवल वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देगा बल्कि शैक्षिक पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा की तैयारियों पर मंथन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित होने वाली क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा-2026 की तैयारियों को लेकर सरस्वती विद्या मंदिर, कमला नगर में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा का आयोजन रविवार, 6 सितंबर को देशभर में किया जाएगा। यह परीक्षा क्रीड़ा के प्रति विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आमजन में जागरूकता और रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार कई वर्षों से आयोजित की जा रही है। बैठक में क्रीड़ा भारती के क्षेत्र संयोजक राजेश कुलश्रेष्ठ द्वारा क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा-2026 के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर परीक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार, अधिक से अधिक विद्यार्थियों एवं युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित

करने तथा परीक्षा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

क्रीड़ा भारती का उद्देश्य खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली, संस्कार एवं राष्ट्रभावना का विकास करना है। क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से खेलों के प्रति ज्ञान और जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। बैठक में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार मित्तल, जिला मंत्री चंद्रप्रकाश राजपूत, जिला दिव्यांग प्रमुख प्रताप सिंह बघेल, महानगर मंत्री अरुण सविता, महानगर मीडिया प्रभारी रुपेश अग्रवाल, सह मंत्री शरद कुमार, क्रीड़ा केंद्र प्रमुख रामप्रवेश दुबे एवं आगरा विभाग संयोजक राजेश सिंह कुशवाहा, मनीष नेमीरा मित्तल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री अग्रवाल संघ ट्रस्ट का शपथ ग्रहण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्री अग्रवाल संघ ट्रस्ट की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह महाराजा अग्रसेन भवन में गरिमामय माहौल में आयोजित हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन से शुभारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद तपन समूह के प्रमुख सुरेश चंद गर्ग ने नवगठित टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवगठित कार्यकारिणी एवं प्रमुख दायित्व मार्गदर्शकः मोहन लाल अग्रवाल (अध्यक्ष - महाराजा अग्रसेन सेवा समिति), डॉ. वीडी अग्रवाल (सचिव - महाराजा अग्रसेन सेवा समिति), सुरेश चंद गर्ग तपन समूह संरक्षकः सरजू बंसल, घनश्याम दास अग्रवाल, छोटेलाल बंसल, सलिल गोयल, सुनील गोयल, सुरेश जैगारा वाले आदि। अध्यक्षः ब्रज मोहन अग्रवाल (अध्यक्ष - समर्पण ब्लड बैंक) कार्यकारी अध्यक्षः मुकुल गर्ग। सचिवः मयंक जैन (स्वामी - डॉ. सोप) कार्यकारी सचिवः डॉ. अंबरीश अग्रवाल (दीक्षालय इंस्टिट्यूट) कोषाध्यक्षः मनीष गोयल सह कोषाध्यक्षः राज किशोर गर्ग उपाध्यक्षः महावीर मंगल (अध्यक्ष - मोती गंज), विनोद गोयल (धागे वाले) ऑडिटरः आशीष जैन कार्यक्रम समन्वयकः अभिनंदन बंसल विशेष सहयोगीः अनुराग मित्तल, दिनेश, आशीष, राजीव, मनीष आदि। युवा टीम और मेडिकल प्रकोष्ठ का गठन संगठन का विस्तार करते हुए नई युवा टीम और मेडिकल प्रकोष्ठ की भी घोषणा की गई। जिसमें नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारी संभालते हुए निष्ठा की

प्रमिला भगवान का स्मृति दिवस मनाया

आगरा। पार्श्वनाथ पंचवटी कॉलोनी स्थित सत्संग भवन में रविवार को परम पूजनीय प्रमिला भगवान के स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में विशेष सत्संग का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। सत्संग में श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण भजन-कीर्तन के माध्यम से प्रभु का स्मरण किया और आध्यात्मिक वातावरण में डूबकर संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। सत्संग के दौरान भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भक्ति में भाव-विभोर नजर आए। इस अवसर पर ज्ञानेंद्र अग्रवाल ने परम पूजनीय प्रमिला जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आध्यात्मिक जीवन, सेवा, सादगी और संतों के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा को साझा किया। उन्होंने कहा कि संतों का जीवन समाज को प्रेम, सेवा, सद्भाव और प्रभु भक्ति की राह दिखाता है। श्रद्धालुओं ने परम पूजनीय प्रमिला भगवान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके बताए आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

122 दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को मिले सहायक उपकरण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में इम्मानुएल हॉस्पिटल एसोसिएशन, यूपी अर्बन प्रोजेक्ट द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), भारत सरकार के उपक्रम, के सहयोग से कोटली बगीची, देवरी रोड में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 169 लोगों ने सहभागिता की। जबकि 122 पात्र दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, कमोड व्हीलचेयर, वॉकर, श्रवण यंत्र, छड़ी, कमर बेल्ट, सिलिकॉन कुशन सहित विभिन्न आवश्यक सहायक

उपकरण निःशुल्क प्रदान किए गए। इन उपकरणों से लाभार्थियों के दैनिक जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। परियोजना अधिकारी राजकुमार ने बताया कि संस्था जरूरतमंद दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों तक सहायक उपकरण तथा सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सेवाएँ पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर कैरीना ने बताया कि ई.एच.ए. एवं एलिम्को के संयुक्त प्रयासों से पिछले एक वर्ष में विभिन्न समुदायों के लगभग 1,650 दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक निःशुल्क सहायक उपकरणों से लाभान्वित हो चुके हैं। प्रशिक्षण प्रबंधक अदिति सिंह ने कहा कि ऐसे शिविर दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सिमरन उपाध्याय ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना केवल सेवा ही नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। विशिष्ट अतिथियों में वार्ड संख्या-4 की क्षेत्रीय पार्षद बेबी, पार्षद पति प्रवीन कुमार तथा वार्ड संख्या-2 की पार्षद पुष्पा कुमारी मौर्य एवं पूर्व पार्षद नवाब सिंह मौर्य शामिल रहे। शिविर को सफल बनाने में एलिम्को की ओर से आकांक्षा एवं शुभांशु सिंह तथा ई.एच.ए. की टीम से राजकुमार, अदिति सिंह, नीरज कुमार, सेल्विना, शालू, दीपिका,कैरीना एवं फिलोमीना सहित समाजसेवी नवरतन सिंह, भूरी सिंह एवं नई किरन समुदाय आधारित संगठन का विशेष योगदान रहा।

गाजर घास खेती और स्वास्थ्य का दुश्मन

- हटाकर लगाएं मेड पर संकर बाजरा नेपियर चारा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी द्वारा आगरा के बिचपुरी और अछनेरा ब्लॉक के विभिन्न गांवों में उपकार लखनऊ द्वारा वित्तपोषित एकीकृत कृषि परियोजना के अंतर्गत गाजर घास/कांग्रेस घास/पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सहारा, बरारा, मिजार्पुर, अंगूठी एवं अटूस गांव के 70 से अधिक किसान शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को गाजर घास से होने वाले नुकसान, जिसमें मनुष्यों एवं पशुओं को होने वाले चर्म और स्वांस संबंधी रोग, फसलों को होने वाले नुकसान के साथ साथ पर्यावरण में होने वाले प्रभावों से जागरूक किया गया। गाजर

घास परिचय के साथ साथ किसानों को गाजर घास उन्मूलन के तरीके भी बताए गये, जिसमें किसानों को गाजर घास से खाद बनाना और खेत की मेड से गाजर घास उखाड़कर मेड में चारा के रूप में संकर बाजरा नेपियर घास को लगाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को सुरक्षा उपकरण जैसेकि की दस्ताने, चश्मे, मास्क इत्यादि भी वितरित किए गए। यह कार्यक्रम परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ गौरेंद्र गुप्ता, वैज्ञानिक एवं टीम के अन्य सदस्य द्वारा निर्देशित हुआ और प्रक्षेत्र स्तर में प्रबंधन यंग प्रोफेशनल डॉ महेश कुमार सिंह एवं वीरेन्द्र द्वारा किया गया।

आगरा में जुटे देश भर के मैथिल ब्राह्मण

श्री मैथिल ब्राह्मण महासभा भारत ने आयोजित की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्री मैथिल ब्राह्मण महासभा भारत द्वारा फतेहाबाद रोड स्थित होटल एलीनार में रविवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों और जनपदों से आए मैथिल ब्राह्मण बंधुओं ने राजनीतिक क्षेत्र में समाज की सशक्त भागीदारी की आवाज बुलंद करते हुए समाज हित में गहन चिंतन किया।

समारोह के मुख्य अतिथि मैथिल ब्राह्मण गौरव पंडित आचार्य गंगाधर पाठक ने 17 राज्यों से पधारे मैथिल ब्राह्मण बंधुओं को झकझोरते हुए कहा कि हमको मैथिली लिखने और बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हमने अपनी भाषा छोड़ दी। विवाह पद्धति त्याग दी। परिधान बदल दिए। परंपरा को हम

नहीं मानते। यज्ञोपवीत धारण करना छोड़ दिया। हम अपनी संस्कृति भूल गए। यही कारण है कि हमारी अच्छी खासी संख्या है, हमारे पास बुद्धि है, विद्या है, वैभव है, सब कुछ है फिर भी हमारी न अस्मिता है, न पहचान। अब भी जाग जाइए। अपने अधिकार के लिए लड़िए। अपने बंधुओं को सशक्त कीजिए। ताकि आपके लिए संसद और विधानसभा में कोई आवाज उठाने वाला हो।

महासभा के संस्थापक-राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि समाज के संपूर्ण विकास के लिए राजनीतिक भागीदारी जरूरी है। 2027 के चुनाव में अगर राजनीतिक दल हमारे समाज को महत्व नहीं देंगे तो हम निर्दलीय प्रत्याशी उतारेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. हरिओम शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का मूल उद्देश्य देश भर के मैथिल ब्राह्मणों को संस्था द्वारा जन जागरण अभियान चलाकर एक सूत्र में बाँधना, संगठित और शिक्षित करना है। प्रदेश अध्यक्ष जेडी शर्मा ने कहा कि अगले माह लखनऊ में मैथिल ब्राह्मण समाज राजनीतिक भागीदारी के लिए संपूर्ण भारत से एकत्रित होकर ऐतिहासिक प्रदर्शन करने जा रहा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दाऊजी महाराज, नवल किशोर शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री अचल शर्मा, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ. सीमा पाठक, राष्ट्रीय संयोजक बीएस झा, राष्ट्रीय महिला संयोजक सीमा झा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पवन झा, राकेश झा, पवन शर्मा, सोमप्रकाश शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पं. सुभाष चंद्र झा, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संतोष झा, आगरा जिलाध्यक्ष शिवप्रकाश ओझा, रजनी किरण, राजेश शर्मा, तृप्ति नाथ झा, ललिता शर्मा और युवा जिलाध्यक्ष सोनू शर्मा ने भी समाज हित में विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित समाजसेवी आचार्य गंगाधर पाठक ने भगवान परशुराम और महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण व समक्ष दीप जलाकर शुभारंभ किया।

रिलायंस एनीमेशन अकादमी में प्रतिभाओं का सम्मान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रिलायंस एनीमेशन अकादमी में आयोजित रचनात्मक प्रतियोगिता में बच्चों एवं विद्यार्थियों ने ड्रॉइंग और कॉपीराइटिंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, आकर्षक उपहार एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में फिल्म निमार्ता एवं निर्देशक सूरज तिवारी ने जूरी सदस्य के रूप में प्रतिभागियों की रचनात्मक प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। उन्होंने बच्चों की कल्पनाशक्ति, कला और लेखन प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में रचनात्मक कौशल बच्चों के भविष्य को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। रिलायंस एनीमेशन अकादमी की ओर से इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य बच्चों को कला, एनीमेशन, लेखन और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार, प्रमाण-पत्र और उपहार प्रदान किए गए। आयोजन ने बच्चों में रचनात्मकता के साथ-साथ सीखने और आगे बढ़ने का उत्साह भी पैदा किया।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

वीरांगना अवंतीबाई की शौर्यगाथा में रंगा शहर

शोभायात्रा में शौर्य, संस्कृति और एकजुटता का दिखा संगम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

वीरांगना अवंतीबाई लोधी शोभायात्रा समिति की ओर से 1857 ई. की नायिका वीरांगना अवंतीबाई लोधी की 195वीं जयंती पर दहतोरा स्थित अवंतीबाई लोधी पार्क से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मुख्य अतिथि भाजपा ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरनलाल लोधी और केंद्रीय पचायती राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल रहे। पूरनलाल लोधी ने कहा कि निस्संदेह वीरांगना अवंतीबाई लोधी का व्यक्तिगत जीवन जितना पवित्र, संघर्षशील, ईमानदार और निष्कलंक रहा, उतना ही उनका बलिदान भी वीरोचित था। वीरांगना अवंतीबाई लोधी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

प्रदेश महामंत्री लालसिंह लोधी, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य के.पी. सिंह, महानगर अध्यक्ष अनुराग राजपूत ने बताया कि शौर्यगाथा को समर्पित शोभायात्रा के माध्यम से सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया गया। सर्व समाज की इस शोभायात्रा में दो बैंड, आठ ऊंट, 12 घोड़े और करीब 15 आकर्षक झांकियां शामिल हुईं। इनमें सर्वप्रथम विघ्नहर्ता गणेशजी, राधाकृष्ण, शिव परिवार, खाटू श्यामजी, शेरावाली माता, आदियोगी, हनुमानजी और महाकाल की झांकियां रहीं।

संयोजक पार्षद वीरेंद्र सिंह लोधी व एडवोकेट तेजेंद्र राजपूत ने बताया कि शोभायात्रा दहतोरा स्थित अवंतीबाई लोधी पार्क से शुरू होकर वीरांगना अवंतीबाई चौराहा, पश्चिमपुरी रोड, कारगिल चौराहा, नंबरदार, बोदला चौराहा होते हुए अमरपुरा स्थित अवंतीबाई लोधी पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में 18 स्थानों पर पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

प्रधान केशव लोधी ने बताया कि नई पीढ़ी को महापुरुषों से परिचित कराने के उद्देश्य से शोभायात्रा में समिति ने मुख्य आकर्षण के रूप में रानी अवंतीबाई लोधी, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर, स्वामी ब्रह्मानंद और अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी की झांकियां निकालीं।

जिलास्तरीय कबड्डी का हुआ आयोजन

जयंती पर अमरपुरा में दोपहर 11 बजे से जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को अतिथियों ने मंच से मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा ज़िलाध्यक्ष प्रशांत पूनिया, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, श्याम भदौरिया, अमित बघेल, रजत लोधी, के.पी. सिंह, राजकुमार प्रधान, वीनू राजपूत, नरेश लोधी, सुमित राजपूत, केशव लोधी, बदन सिंह, डॉ. उदल सिंह, कैलाश सिंह राजपूत, नितिन लोधी आदि मौजूद रहे।

श्रीजगन्नाथ मंदिर में मना झूलन महोत्सव

फूल पत्तों से सजे मनमोहक और प्राकृतिक झूले में बिराजे श्रीराधा-कृष्ण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

हरे राम हरे कृष्णा का संकीर्तन की भक्तिमय स्वर लहरियां और झूले में बिराजे ब्रज की पटरानी संग कन्हैया। मंदिर परिसर में हर तरफ फूलों की महक और हरियाली की छटा छायी थी। श्रीजगन्नाथ मंदिर में भक्तिभाव के साथ झूलन महोत्सव का आयोजन किया गया। मोगरे के पुष्पों व अशोक व आम के पत्रों से श्रीहरि व राधारानी के लिए मनमोहक झूला सजया गया। सिर पर मोरमुकुट और हाथों में बांसुरी लिए राधा रानी संग झूले में बिराजे कन्हैया को झोंटा देने के लिए भक्तों में होड़ लगी थी।

कमला नगर स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर (इस्कॉन) में रविवार को झूलन महोत्सव के तहत संकीर्तन, आकर्षक झांकियां और फूल बंगले का आयोजन किया गया। मंदिर के अध्यक्ष अरविन्द प्रभु ने श्रीकृष्ण जन्म कथा का वर्णन करते हुए बताया कि झूलन यात्रा महोत्सव 28 अगस्त तक प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। जिसके तहत मंदिर परिसर में कथा, कीर्तन फूल बंगला सजेगा। मंदिर में आज श्रीजगन्नाथ भगवान संग बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का भी विशेष श्रंगार किया गया। फूलों सं महकते फूल बंगला और मनमोहक गुलाबी रंग की पोशाक में सजे भगवान के दर्शन कर हर भक्त बलईयां लेते नजर आए। इस अवसर पर मुख्य रूप से नितेश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, शैलेन्द्र अग्रवाल, कान्ता प्रसाद अग्रवाल, संजीव बंसल, शैलेश बंसल, संजय कुकरैजा, राजेश मल्होत्रा, संजीव मित्तल, राजेश उपाध्याय, ओमप्रकाश, देव केशव, अदिति गौरांगी आदि उपस्थित थीं।

सफाई कर्मचारियों का क्रमिक अनशन शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

नगर निगम में कार्यत सफाई कर्मचारियों की 9 सूत्रीय मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों का क्रमिक अनशन एमजी रोड स्थित वाल्मीकि पार्क में शुरू हो गया। पहले दिन अनशन पर कर्मचारी राजू नरवार, रवि चंचल के अलावा कर्मचारी नेता रामजीलाल विद्यार्थी बैठे।

कर्मचारियों का आरोप था कि आगरा नगर निगम में अधिकारियों का एक ऐसा कॉकस है जो अपने लोगों को अनैतिक लाभ पहुंचाने में लगातार लगा हुआ है। वह सफाई कर्मचारियों की भर्ती के नाम पर अपने चहेते, स्वच्छता निरीक्षक के माध्यम से 10-10 कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग पर रखते हैं।

फिर उसके बाद में उन्हें बार्ड में स्थानांतरित कर देते हैं। जिससे कर्मचारियों को शक नहीं हो पाता है कि यह कर्मचारी नये लगे हैं अथवा पुराने हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं अधिकारियों के संरक्षण में आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपलब्ध कराए जाने वाली अग्रवाल एंड कंपनी कर्मचारियों का ईएसआई पीएफ अन्य सुविधाओं को डकार कर अपनी जेब में भरने में जुटा हुआ है। कर्मचारी नेताओं का आरोप था कि जब तक कर्मचारियों की इन मांगों को पूर्ण रूप से निगम प्रशासन नहीं मान लेता, तब तक यह आंदोलन अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में बदल जाएगा।

कर्मचारियों के समर्थन में प्रमुख रूप से अनिल गिर्ज, दिलीप गहलोत, राकेश चौहान, विक्रम चौहान, राजेश चौधरी, डॉ बबलू, जय भीम, अमित दिलावर, दीपक चौहान अमन खरे, विशाल छत्री आदि प्रमुख थे। अनशन की अध्यक्षता महावीर चंचल और संचालन दिलीप गहलोत ने किया।

एसएन इमरजेंसी: हादसा नहीं, सरकारी लापरवाही से हुई बच्चे की मौत

इमरजेंसी भवन की नियमित मरम्मत पर खर्च होती रकम का हिसाब दे मेडिकल कालेज प्रशासन: राहुल चतुर्वेदी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव और आगरा के पूर्व मेयर प्रत्याशी राहुल चतुर्वेदी ने कहा है कि एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में इलाज करा रहे बच्चे पर छत का प्लास्टर गिरना और उससे बच्चे की मौत होना एक हादसा नहीं है बल्कि कालेज प्रशासन की लापरवाही है। कालेज प्रशासन इस इमरजेंसी भवन की नियमित मरम्मत पर खर्च होती रकम का हिसाब दे।

सपा नेता राहुल चतुर्वेदी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि समाजवादी पार्टी इस बेकसूर मासूम और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा राज में न स्कूल सुरक्षित हैं, न अस्पताल और न ही सड़कें। प्रदेश की जनता अब सरकार से यह सवाल पूछ रही है आखिर विकास के नाम पर आने वाला अरबों रुपये का बजट किसकी जेब में जा रहा है? सपा नेता इस घटना को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार के स्वास्थ्य मॉडल पर गंभीर सवाल उठाए हैं और इसे सीधे तौर पर 'सरकारी लापरवाही और भ्रष्टाचार से हुई बच्चे की मृत्यु' करार दिया है। राहुल चतुर्वेदी ने इस हादसे के लिए पूरी तरह से अस्पताल प्रशासन, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और ठेकेदारों के गठजोड़ को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने इस दुखद घटना को लेकर सरकार के सामने समाजवादी पार्टी की ओर से कई बड़ी मांगें भी रखी हैं। सपा नेता राहुल चतुर्वेदी निम्न बिंदु उठाए हैं...

बेकसूर मासूम के परिजनों के साथ है सपा, परिवार को दिलाएगी न्याय

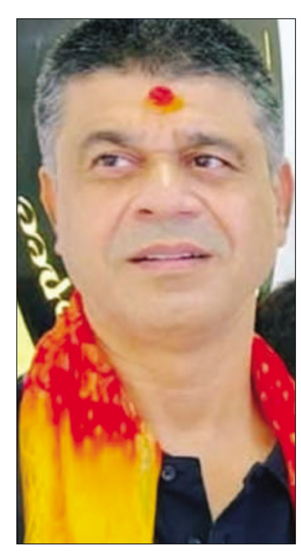

खंडहर में तब्दील होता अस्पताल: प्रदेश सरकार की ओर से हर साल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करोड़ों रुपये का बजट अवमुक्त किया जाता है, लेकिन धरातल पर मेडिकल कॉलेज की इमारतों का मेंटेनेंस शून्य है। पीडब्ल्यूडी और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते आज यह दर्दनाक हादसा हुआ।

गरीब मरीजों की अनदेखी: इलाज के लिए आए मासूम बच्चे के सिर पर प्लास्टर गिरने के बाद उसे समय पर जरूरी ट्रामा केयर या इमरजेंसी इलाज नहीं मिल सका। अस्पताल में डॉक्टर नदारद थे और स्टाफ का रवैया बेहद लापरवाह रहा, जिसकी वजह से बच्चे ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

भाजपा का फेल स्वास्थ्य मॉडल: केंद्र और राज्य में 'डबल इंजन' सरकार का दावा करने वाली भाजपा का स्वास्थ्य मॉडल पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। आगरा जैसे बड़े और वीवीआईपी शहर के मुख्य मेडिकल कॉलेज की छतें गिर रही हैं, जो सरकार के विकास के दावों की पोल खोलती हैं।

समाजवादी पार्टी की प्रमुख मांगें:

- पीडित परिवार को 50 लाख मुआवजा और एक सदस्य को नौकरी
- एसएन मेडिकल कॉलेज के सभी भवनों का स्वतंत्र एजेंसी से 'स्ट्रक्चरल ऑडिट' कराया जाए
- इस पूरी घटना के लिए जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों और लापरवाह मेडिकल स्टाफ के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज हो।

जन्मदिवस पर हेलमेट बांटकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

टीएनएफ टुडे, पिनाहट (आगरा)।

पिनाहट कस्बा के नंदगवां रोड स्थित दुबे जी मोबाइल सेंटर के संचालक धर्मेंद्र उर्फ लालू दुबे ने अपने 38वें जन्मदिवस को सेवाभाव से मनाते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर अनूठी पहल की। जन्मदिन के अवसर पर मोटरसाइकिल सवार लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेश पाल गिरी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है। छोटी सी सावधानी बड़ी दुर्घटना से बचा सकती है। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस अनोखी पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है। लोगों ने कहा कि जन्मदिन को इस तरह मनाना समाज के लिए प्रेरणा है।

खेडा राठौर में 141 लीटर शराब नष्ट कराई

टीएनएफ टुडे, बाह।

खेडा राठौर थाने में कोर्ट के आदेश पर रविवार को 141 लीटर देशी शराब नष्ट की गई। एसीपी बाह जितेन्द्र कुमार ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट फतेहाबाद ने खेडा राठौर के 9 प्रकरणों की 141 लीटर देशी शराब नष्ट करने के आदेश दिए थे। रविवार को आदेश के अनुपालन में थाना परिसर में गड्ढा खोद कर शराब को नष्ट किया गया। शराब नष्ट कराने के बाद गड्ढे को बंद करा दिया। उन्होंने बताया कि अलग अलग 9 मामलों में शराब की बरामदगी हुई थी।

सीढ़ी चढ़ रही किशोरी को सांप ने डसा

टीएनएफ टुडे, बाह।

क्षेत्र के कासगंज गांव में शनिवार की रात सीढ़ी चढ़ रही किशोरी के पैर में लिपटे सांप ने डस लिया। परिजन सांप को पॉलीथिन में बंद कर किशोरी के साथ अस्पताल ले पहुंचे। कासगंज गांव में शनिवार की रात 9 बजे के करीब हरदयाल सिंह की 16 साल की बेटी मानसी सीढ़ी पर चढ़ रही थी। परिजनों के मुताबिक रात के अंधेरे में सीढ़ी पर मौजूद सांप मानसी के पैर में लिपट गया। छुड़ाते समय सांप ने पैर में डस लिया। मानसी की चीख पर पहुंचे परिजनों ने सांप को पकड़ कर पॉलीथिन में बंद किया और मानसी के साथ सांप को लेकर बाह सीएचसी पर पहुंच गये। सांप को देख कर अस्पताल में मरीज और तीमारदार डर गये। मानसी को चिकित्सीय देख रेख में रखा गया। हालत स्थिर होने पर उसे घर भेज दिया। अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि किशोरी को कॉमन वुल्फ स्नेक ने काटा था। यह सांप जहरीला नहीं होता है। फिर भी किशोरी को चिकित्सीय देख रेख में रखा गया था।

नेशनल पेनमैन चैंपियनशिप 2026 में गूंजा श्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय का सामूहिक पाठ

टीएनएफ टुडे, आगरा।

स्वास्तिक हैंडराइटिंग वेलफेयर ट्रस्ट एवं कन्हैया लाल मानिक लाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ, डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता नेशनल पेनमैन चैंपियनशिप (एनपीसी) 2026 का पुरस्कार वितरण समारोह खंदारी परिसर स्थित जेपी सभागार में संपन्न हुआ। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से प्रतियोगिता में शामिल हुए प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हस्तलेखन कला के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा, आध्यात्मिक चेतना और दिव्यांग प्रतिभाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला।कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष एवं कुलपति प्रो. आशु रानी, मुख्य अतिथि डॉ. सुशील गुप्ता, विशिष्ट अतिथि डॉ. गिरधर शर्मा, डॉ. प्रांजल शर्मा, अनिमेष दयाल एवं शुभी दयाल, कार्यक्रम संयोजक प्रो प्रदीप श्रीधर, निदेशक कन्हैया लाल मानिक लाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ, स्वास्तिक हैंडराइटिंग वेलफेयर ट्रस्ट के संस्थापक शिशिर मित्तल एवं अध्यक्ष विनीता मित्तल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात गणेश वंदना पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने समारोह का वातावरण भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि हस्तलेखन केवल सुंदर लिखने की कला नहीं, बल्कि व्यक्ति के अनुशासन, धैर्य, एकाग्रता और व्यक्तित्व का प्रतिबिंब है। डिजिटल युग में हस्तलेखन की परंपरा को जीवित रखना और बच्चों को इससे जोड़ना सराहनीय प्रयास है। मुख्य अतिथि डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि हस्तलेखन हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों को एक मंच पर लाना अपने आप में उल्लेखनीय प्रयास है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. गिरधर शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में लेखन का सदैव विशेष महत्व रहा है। आज जब जीवन तेजी से डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हो रहा है, ऐसे समय में हस्तलेखन को प्रोत्साहित करना हमारी परंपरा को संरक्षित करने जैसा है। स्वास्तिक हैंडराइटिंग वेलफेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष विनीता मित्तल ने बताया कि वर्ष 2020 में कोविड काल के दौरान इस प्रतियोगिता का शुभारंभ ऑनलाइन स्तर पर पूरे देश में किया गया था। तभी से लगातार इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 6 वर्ष से लेकर 60 वर्ष तक के प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों से हिस्सा लेते हैं। असम, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतियोगिता में सहभागिता की।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता की निर्णायक प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिभागियों से उनकी कृतियों की वीडियो भी मंगवाई जाती है। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अशोक बत्रा, श्रुति सिन्हा, डॉ. मनोज कुमार, हर्षदा सलगांवकर, डॉ. मंजू गुप्ता, डॉ. आभा सिंह गुप्ता, डॉ. रुपाली खन्ना, दीप्ति जादौन, आरके कपूर, डॉ. सुनीता शर्मा, रितु गोयल एवं रीनू त्रिवेदी ने निभाई।

एक स्वर में गूंजा श्रीमद्भगवद्गीता का 12वां अध्याय समारोह की सबसे विशेष एवं आध्यात्मिक प्रस्तुति के रूप में गीता मनीषी डॉ. मंजू गुप्ता के मार्गदर्शन में सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों, बच्चों, प्रतिभागियों एवं दर्शकों से श्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय का संस्कृत में सामूहिक पाठ कराया गया।

खचाखच भरे जेपी सभागार में जब सैकड़ों प्रतिभागियों और उपस्थित जनों ने एक साथ संस्कृत मेंश्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय के श्लोकों का उच्चारण किया तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। बच्चों और युवाओं द्वारा एक स्वर में किए गए गीता पाठ ने समारोह को विशिष्ट बना दिया।भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए भक्ति योग के संदेश से जुड़े गीता के 12वें अध्याय का सामूहिक पाठ आयोजन की मूल भावना–लेखन के साथ संस्कार, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ने–का प्रभावशाली उदाहरण बना। इस दौरान सभागार में मौजूद हर व्यक्ति ने श्रद्धा और एकाग्रता के साथ गीता के श्लोकों का पाठ किया।

इसके बाद नीरज कांत शर्मा के निर्देशन में दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत योग-नृत्य ने समारोह में चार चांद लगा दिए।विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं ने लहराया परचम

इस वर्ष प्रतियोगिता में मिनिएचर गार्डन प्रतियोगिता को भी जोड़ा गया। इसमें जूनियर वर्ग में वेदांश मित्तल तथा सीनियर वर्ग में हेमलता सिंह प्रथम स्थान पर रहे।

इंग्लिश कर्सिव लेखन की विभिन्न श्रेणियों में जियांशु सिंह तोमर, दृष्टि गर्ग, आज्ञा शर्मा, मानवी चौधरी एवं निशा सोनी प्रथम स्थान पर रहे। इंग्लिश प्रिंट लेखन में भव्य गुप्ता, विवान कंसल, अनिरुद्ध चौधरी, अनुभव तिवारी एवं शिल्पी मित्तल, इंग्लिश स्लोगन लेखन में रितिक शर्मा, वेरोनिका सिंह, जानवी वर्मा एवं सारिका गुप्ता, इंग्लिश आर्टिस्टिक पैराग्राफ राइटिंग में श्रेयांश, सिद्धार्थ, वेरोनिका एवं एकता, इंग्लिश निबंध लेखन में निवेशिका गौतम एवं कमल कुमार शर्मा, हिंदी सुलेख में नक्षत्र, मालविका, राघव, कीर्ति एवं तन्मोय, संस्कृत श्लोक लेखन में यशिका, धुन, खुशबू, खुपनेजियम हरनखोल, हिंदी कलात्मक लेखन में मालविका, अनिरुद्ध एवं सायरा, हिंदी निबंध लेखन में अनविका, पीहू एवं तन्मोय, ड्राइंग एंड पेंटिंग में जियांशु, रिद्धि, रिद्धिमा, विप्रांश एवं ऐश्वर्या, लिप्पन आर्ट में डॉ. श्वेता अग्रवाल, मंडला में स्तुति एवं रुचिका, जबकि मधुबनी एवं कोलाज में स्तुति एवं ऐश्वर्या प्रथम रहे।इन्होंने संभाली व्यवस्था

कार्यक्रम का संचालन श्रुति दास, अंशिका मित्तल एवं रिया गौतम ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में अंजलि, राधिका, रुचि, शिखा, महक, क्षमा, मधुलिका, प्रेरणा, एकता, गीत, निधि, ज्योति, पल्लवी, रेनू, चर्चित, युगाद्या, निवेशिका, रिद्धि, प्रशंसा, रायना, वंशिका आदि योगदान रहा।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को लेकर जिलाधिकारी ने प्रमुख कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को लेकर जनपद से होकर गुजरने वाले कांवड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं के दृष्टिगत जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ प्रमुख कांवड़ मार्ग हाथरस-अलीगढ़ का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गंगाजल लेकर जा रहे कांवड़ियों से संवाद स्थापित कर उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कांवड़ियों ने बताया कि वे 51 किलोग्राम की कांवड़ लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने उनसे जनपद में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। इस पर कांवड़ियों ने जनपद में की गई व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए व्यवस्थाओं को सुचारु बताया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने रुहेरी कट, हाथरस बाईपास स्थित स्वास्थ्य कैंप एवं कांवड़ शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य कैंप में उपलब्ध दवाओं एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

इसके पश्चात जिलाधिकारी ने रुहेरी स्थित मंदिर वनखंडी देव महाराज पहुंचकर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया तथा जनपद एवं जनपदवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कांवड़ मार्ग पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्था को निरंतर प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उप जिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

कश्मीर पर अमरीका के बोल बदले

वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर ह्लभारत का एक महत्वपूर्ण हिस्साह्व है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया। गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

बुरे काम का नतीजा बुरा ही होता

आपको बता दें कि सज्जन कुमार दिल्ली की राजनीति में 1970 के दशक से ही प्रभावशाली चेहरा बनकर उभरे थे। उन्होंने 1977 में पार्षद के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की और इसके बाद बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से तीन बार सांसद चुने गए। ग्रामीण दिल्ली और जाट बहुल इलाकों में उनकी पकड़ बेहद मजबूत मानी जाती थी। 1980 के दशक में वह दिल्ली कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल थे। स्थानीय संगठन, ग्रामीण मतदाता और जाट समाज में उनके मजबूत आधार ने उन्हें कांग्रेस की राजनीति का बड़ा खिलाड़ी बना दिया था। एक समय ऐसा था जब बाहरी दिल्ली की राजनीति में सज्जन कुमार का नाम ही सत्ता और प्रभाव का पर्याय माना जाता था। लेकिन जिस राजनीतिक ताकत ने उन्हें दशकों तक प्रभावशाली बनाए रखा, वही ताकत 1984 के सिख विरोधी दंगों के आरोपों और फिर लंबे कानूनी संघर्ष के सामने धीरे-धीरे कमजोर पड़ती चली गई। हम आपको याद दिला दें कि 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद देश, विशेषकर दिल्ली में सिख विरोधी हिंसा भड़क उठी थी। इसके पीछे ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद पैदा हुई परिस्थितियों को भी महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि के रूप में देखा गया था। दिल्ली में कई दिनों तक हिंसा का भयावह दौर चला था। सिखों के घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया था। हजारों लोगों की जान गई। अलग-अलग आकलनों में मृतकों की संख्या अलग रही, लेकिन दिल्ली में 2,700 से अधिक सिखों के मारे जाने की पुष्टि हुई, जबकि देशभर में मृतकों की संख्या 3,000 से अधिक बताई गई। इसी हिंसा से जुड़े कई मामलों में सज्जन कुमार का नाम सामने आया। उन पर हिंसक भीड़ का नेतृत्व करने, लोगों को उकसाने, आपराधिक साजिश और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने जैसे गंभीर आरोप लगे। अगले तीन दशकों से अधिक समय तक उनके खिलाफ मुकदमों का सिलसिला चलता रहा और कई मामलों में उन्हें कभी राहत मिली तो कभी कानूनी शिकंजा कसता गया। सज्जन कुमार के राजनीतिक और कानूनी जीवन का सबसे बड़ा मोड़ 17 दिसंबर 2018 को आया। दिल्ली हाईकोर्ट ने निचली अदालत के 2013 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें उन्हें बरी कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने सज्जन कुमार को 1984 के दंगों के दौरान दिल्ली के राज नगर पार्ट-1, पालम कॉलोनी में पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने से जुड़े मामले में दोषी ठहराया। अदालत ने उन्हें आपराधिक साजिश और हिंसा के लिए उकसाने सहित गंभीर अपराधों का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार का गुरुवार को दिल्ली में निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। एक समय ग्रामीण और बाहरी दिल्ली की राजनीति के सबसे ताकतवर चेहरों में गिने जाने वाले, जाट समाज में व्यापक जनाधार रखने वाले और राष्ट्रीय राजधानी की सियासत में कांग्रेस की सत्ता का मजबूत स्तंभ रहे सज्जन कुमार की जिंदगी आखिरकार एक ऐसे मोड़ पर खत्म हुई, जिसे उनके राजनीतिक उत्थान और बाद के पतन की पूरी कहानी के रूप में देखा जा सकता है। सत्ता के शिखर से लेकर तिहाड़ जेल तक का उनका सफर इस कड़-वे सच की याद दिलाता है कि बुरे काम का अंजाम बुरा ही होता है।

-अनाम

इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों की दुकानदारी

ब्रज खण्डेलवाल

नई इमारत तैयार है। चमचमाता बोर्ड लग गया है। रंगीन ब्रोशर छप चुके हैं। "एडमिशन शुरू हैं!"

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। डेटा साइंस। साइबर सिक्योरिटी। मशीन लर्निंग। रोबोटिक्स।

नाम सुनकर लगता है, बस दाखिला लो और भविष्य जेब में डाल लो। मगर कई कॉलेजों के भीतर जाइए। खाली कुर्सियां आपका स्वागत करती मिलेंगी।

यही भारतीय उच्च शिक्षा की सबसे बड़ी विडम्बना है। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री ने हाल में कहा कि राज्य अब नए सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं खोलेगा। पहली नजर में यह फैसला पीछे हटने जैसा लग सकता है। असल में, यह देर से आया हुआ एक समझदार फैसला है। पिछले तीन दशकों में प्रोफेशनल शिक्षा का ऐसा विस्तार हुआ कि हर शहर और कस्बे में कॉलेज कुकुरमुत्तों की तरह उग आए। इंजीनियरिंग, मेडिकल, डेंटल, फामेर्सी, मैनेजमेंट और होम्योपैथी कॉलेजों की बाढ़ आ गई।

शिक्षा धीरे-धीरे कारोबार बन गई।कॉलेज की सीट एक उत्पाद बन गई। छात्र ग्राहक बन गया।

कर्नाटक में हर साल करीब 28 से 30 हजार इंजीनियरिंग सीटें खाली रह जाती हैं। देश भर में इंजीनियरिंग की लगभग 30 से 40 प्रतिशत सीटों पर दाखिला नहीं हो पाता। यानी हर साल तीन से पांच लाख सीटें खाली रह सकती हैं।

तमिलनाडु की तस्वीर भी कम परेशान करने वाली नहीं है। टीएनईए काउंसलिंग के तीसरे दौर के बाद भी करीब 37,943 इंजीनियरिंग सीटें खाली थीं। लगभग 1,57,570 सीटें भर गईं, लेकिन बड़ी संख्या में सीटें फिर भी खाली रह गईं। राज्य में करीब 418 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं।

सवाल यह नहीं कि छात्रों ने इंजीनियरिंग छोड़ दी है। असली बात यह है कि छात्र अब हर कॉलेज में दाखिला लेने को तैयार नहीं हैं।

अच्छे और पुराने संस्थानों में आज भी भीड़ है। शहरों के प्रतिष्ठित कॉलेज, जहां पढ़ाई और प्लेसमेंट बेहतर हैं, छात्रों की पहली पसंद बने हुए हैं।

लेकिन छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के कई निजी कॉलेजों की हालत पतली है। कुछ कॉलेजों में एक भी छात्र नहीं पहुंचा। कुछ को गिनती के विद्यार्थी मिले।

संदेश साफ है। सीटें बढ़ा देने से मांग पैदा नहीं होती।

निजी कॉलेजों ने एक नया नुस्खा खोज लिया है। पुराने कंप्यूटर साइंस कोर्स के नाम के साथ कोई फैशनेबल शब्द जोड़ दीजिए। नया कोर्स तैयार।

एआई एंड मशीन लर्निंग। एआई एंड डेटा साइंस। साइबर सिक्योरिटी।इंटरनेट ऑफ थिंग्स। डेटा एनालिटिक्स। नाम अलग-अलग हैं। कई बार पढ़ाई का बड़ा हिस्सा लगभग एक जैसा होता है।

ब्रोशर नया है, सीटें नई हैं और फीस भी नई।

मुश्किल यह नहीं कि एआई पढ़ाई जा रही है। मुश्किल यह है कि कई जगह एआई सिर्फ एक चमकदार लेबल बन गया है। अच्छी लैब बनाना महंगा है। योग्य शिक्षक रखना महंगा है। रिसर्च कराना महंगा है। ब्रोशर बदलना सस्ता है। मुनाफे की दुनिया अक्सर आसान रास्ता चुनती है। दूसरी तरफ मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की सीटें खाली रह रही हैं। यह एक अजीब विरोधाभास है।

देश मैन्युफैक्चरिंग की बात करता है। बड़े-बड़े कारखानों की बात करता है। नई सड़कें, पुल, बिजली, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी की बातें होती हैं।

मगर युवाओं को एक ही दिशा में धकेला जा रहा है। सॉफ्टवेयर की तरफ।

कल को हमारे पास कोड लिखने वाले बहुत होंगे, लेकिन मशीन बनाने वाले कम। पुल बनाने वाले कम। बिजली और ऊर्जा व्यवस्था संभालने वाले कम।

इसे शिक्षा नीति नहीं, शैक्षिक सट्टेबाजी कहना ज्यादा ठीक होगा।

आईआईआईटी-बेंगलुरु के पूर्व निदेशक एस. सदागोपन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति ने एक बेहद चिंताजनक तस्वीर पेश की।अनुमान यह था कि इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स में केवल करीब 17 प्रतिशत ही सीधे नौकरी के लिए तैयार माने जा सकते हैं।

जरा सोचिए। मां-बाप लाखों रुपये खर्च करते हैं। बच्चा चार साल पढ़ता है। डिग्री हाथ में आती है। फिर नौकरी का दरवाजा कहता हैः अभी आप तैयार नहीं हैं।

समिति ने कंप्यूटर साइंस सीटों में कमी, एक जैसे कोर्सों पर रोक और एआई को अलग-अलग शाखाओं में शामिल करने की सिफारिश की। बात बिल्कुल वाजिब है। निजीकरण के समर्थकों ने कहा था कि इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। गुणवत्ता सुधरेगी। दक्षता आएगी। लेकिन शिक्षा के एक बड़े हिस्से में हुआ कुछ और।

अगर एक कॉलेज मुनाफा कमा सकता है, तो दूसरा खोलो। अगर 60 सीटें बिकती हैं, तो 120 कर दो।कंप्यूटर साइंस चल रहा है, तो उसके पांच नए संस्करण निकाल दो। दाखिले कम हों, तो विज्ञापन बढ़ा दो। मगर बड़ी तस्वीर से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं।

शिक्षा के विस्तार में राजनीतिक रसूख, ट्रस्ट, सोसायटी और कारोबारी हितों की भूमिका लगातार बढ़ती गई।हर सरकार ने कॉलेज खोलने को विकास का तमगा बना दिया। मगर किसी ने ठीक से नहीं पूछाः क्या हमें सचमुच एक और कॉलेज चाहिए?

उत्तर प्रदेश में 2026 में निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में मांग और सीटों के बीच बड़ा असंतुलन दिखाई दे रहा है। अडळव की वढळअउ काउंसलिंग के बाद करीब 74,000 बीटेक सीटें खाली रह गईं, जिनमें अधिकांश निजी कॉलेजों की हैं। लोकप्रिय उरए में भी 22,000 से अधिक सीटें खाली रहीं। छात्र नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा के प्रतिष्ठित कॉलेजों को तरजीह दे रहे हैं। कई निजी संस्थानों में खएए ट्रंल्ल के बिना 12वीं के अंकों पर सीधे दाखिले की व्यवस्था करनी पड़ी। जरूरत से ज्यादा सीटें बढ़ने से कई कॉलेज आर्थिक दबाव और भविष्य के संकट से जूझ रहे हैं।

यही कहानी मेडिकल शिक्षा में भी दिखाई देती है। नए मेडिकल कॉलेजों की घोषणाएं बड़ी सुर्खियां बनती हैं। लेकिन मेडिकल कॉलेज केवल एक इमारत का नाम नहीं है।

उसे अनुभवी डॉक्टर चाहिए। शिक्षक चाहिए। लैब चाहिए। अस्पताल चाहिए। मरीज चाहिए। क्लीनिकल ट्रेनिंग चाहिए।

इनके बिना मेडिकल कॉलेज सिर्फ एक बड़ा भवन और चमकदार नामपट्ट बनकर रह सकता है।

होम्योपैथी और दूसरे प्रोफेशनल कोर्सों में भी कई संस्थान सीटें भरने के लिए जूझ रहे हैं। फिर भी नए संस्थान खोलने की होड़ खत्म नहीं होती।

यह कैसी तरक्की है?

जब पुरानी दुकान में ग्राहक नहीं हैं, तब नई दुकान क्यों खोली जा रही है?

हर साल नई इमारतें खड़ी करना बंद कीजिए। मौजूदा कॉलेजों को मजबूत बनाइए। खाली पड़े परिसरों का बेहतर इस्तेमाल कीजिए। उन्हें स्किलिंग और री-स्किलिंग सेंटर बनाइए। अच्छे शिक्षक लाइए। लैब सुधारिए। उद्योगों से सीधा रिश्ता जोड़िए।

और सबसे जरूरी बात; जितनी वास्तविक जरूरत है, उतनी ही सीटें रखिए। देश को 500 कमजोर इंजीनियरिंग कॉलेजों की जरूरत नहीं है। 100 अच्छे संस्थान शायद ज्यादा बेहतर काम कर सकते हैं। खाली सीटें केवल दाखिले की समस्या नहीं हैं। वे व्यवस्था के खिलाफ छात्रों का खामोश फैसला हैं।

कई वर्षों से उच्च शिक्षा को समाज सेवा का लिबास पहनाकर एक बड़े कारोबार की तरह चलाया जा रहा है। कॉलेज खोलने वालों को फायदा हुआ। राजनीतिक रसूख बढ़ा। इमारतें बनती गईं। सीटें बढ़ती गईं। मगर बेरोजगार डिग्रीधारियों की फौज भी बढ़ती गई।

समस्या निजी संस्थानों के होने की नहीं है। समस्या यह है कि शिक्षा को केवल मुनाफे की नजर से नहीं देखा जा सकता। कॉलेज इसलिए नहीं चलना चाहिए कि वह सीटें बेच सकता है। सरकार को तय करना होगा कि देश को किस तरह के पेशेवर चाहिए। कितने इंजीनियर चाहिए। कितने डॉक्टर चाहिए। किस इलाके में कॉलेज की जरूरत है।

सिर्फ वोट, जमीन और मुनाफे के लिए कॉलेज नहीं खुलने चाहिए।

क्या जोहड़ बचा पायेंगे

राम भरोस मीणा

वर्षा जल संचय करने में राजस्थान की जल संस्कृति देश ही नहीं अपितु विश्व में श्रेष्ठ रहीं। वर्षा जल संग्रहण, नदियों का सरंक्षण, पीने के पानी की सामाजिक व्यवस्था, भूगर्भीय जल का कृषि में उपयोग के अपने तोर - तरीके हजारों वर्षों के सामाजिक अनुसंधान, अनुभवों से उभरकर सामने आए। हजारों वर्षों में पनपीं जल संस्कृति को आज की युवा पीढ़ी दो दशक मे भुल चुकी है। जिसे यहां के वासिंदो ने बनाया अपनाया। पानी की संस्कृति को भूलना संस्कारों में गिरावट, संस्कृति में आएं बदलाव इसके जिम्मेदार है। परिणाम यह है कि जल संरक्षण के स्थानीय प्रयासों से बनी व्यवस्थाएं आज केवल अवशेष रह गई। अवशेष रुप में बचीं यह व्यवस्था स्थानीय लोगों की पानी के प्रति जागरूकता, महत्व, उपयोग करने के अपने तरीकों को साझा कर रही हैं। लोक गीत, किवदंती, परमपराएं आज भी संस्कृती, संस्कारों को याद दिलाते हैं। रहिम जी के दोहे " रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून, पानी गये न उबरें मोती मानुष चुन " का पालन करना यहां के लोगों के संस्कार बन चुकें थे। गर्मियों में श्रमदान कर चौकड़ी निकालना, साफ-सफाई करना, वर्षा पानी के रास्ते में बने अवरोधों को हटाना आम आदमी का कार्य ही नहीं नित्यकर्म बन चुका था। संस्कार संस्कृति ही नहीं पानी संग्रह एक आदत बनी परम्परा आखिर लुप्त क्यों होते चले गईं।

महज तीन दशकों पुर्व राजस्थान में परम्परागत जल प्रबन्धन में अपने अध्ययन अनुभवों को प्रसिद्ध जल यौद्धा स्व.अनुपम मिश्र ने अपनी पुस्तक जोहड़ की संस्कृति, रजत बूंदें, पनघट में राजस्थान में पानी के सुव्यवस्थित उपयोग, रखरखाव, महत्व, प्रबन्धन कों दुनिया के सामने रखा। श्रेष्ठतम जल व्यवस्था मानें। परम्परागत व्यवस्थाओं को जीवित रखने की आवश्यकता समझें। युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनानें की सिफारिशें की, आधुनिक विज्ञान के इस दौर में प्रदेश की परम्परागत जल व्यवस्था को श्रेष्ठ बताया। लेकिन महज दो दशकों में यहां न केवल जोहड़ गायब हुए, बल्कि संस्कृति और संस्कार भी लुप्त हो गए। राजस्थान के प्रत्येक गांव, ढाणी, कस्बों में 1990 के आस पास लगभग 60 से 70 हजार जोहड़ बताएं जातें रहें हैं। खैर जोहड़ से सम्बन्धित कुल आंकड़ों की सही पुष्टी नहीं होती, लेकिन अकेले अलवर जिले सहित आस-पास के क्षेत्र में स्थानीय संगठनों द्वारा 2005 में 8500 जोहड़ की सफाई करने की बात जो की जाती है, उससे यह साबित होता है कि यहां जोहड़ बहुतायत में होंगे। लेकिन आज जोहड़ का लुप्त होना या नहीं होना यहां की संस्कृति पर प्रश्न उठता है, उतना ही स्थानीय संगठनों द्वारा उन्हें बचाने में असफल रहना भी एक चिन्तित करने वाला विषय है।

खैर वर्तमान परिस्थितियों और बदलते मौसम चक्र के साथ बड़ते शहरीकरण, अनैतिक विकास, लोगों की स्वार्थ की भावना ने उन सभी जल संग्रह केन्द्रों को खुर्द-बुर्द करने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। नतीजन आज जोहड़ दिखाई नहीं देते, दिखाई दे वहां पानी नहीं पहुंचता, विकास के नाम, अवैध कालोनियों, रास्तों, निजी हस्तक्षेप से अतिक्रमण की चपेट में आ गए अथवा उन्हें कचरा स्थल बना दिया गया। सत्य यह भी है कि पानी के सभी श्रोत जो पारम्परिक व्यवस्थाओं के तहत सामाजिक सरोकार के लिए थे आज 92 प्रतिशत मर चुकें हैं। 05 प्रतिशत अनुपयोगी हो गये। 02 प्रतिशत कचरा पात्र बन बैठे। 01 प्रतिशत जोहड़ का जल उपयोग किया जा रहा है। सामाजिक व्यवस्थाओं में एकाएक आए बदलाव, बदलते पानी के उपयोग के तोर तरीकों, बड़ते शहरीकरण, औधोगिकीकरण, बाजारीकरण, निजी स्वार्थ की भावना के साथ युवाओं का जल प्रबंधन जैसे कार्यों से अलग होना, भूगर्भीय जल में तेजी से आई गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। पीने के मीठे पानी की जहां नदियां बहती, कुएं वर्षा ऋतु में उफान लेते, जोहड़ हिचकोले खाते, खेतों में दल-दल बनता, पहाड़ों पर झरने झरते वहां का पानी महज तीन दशकों में पाताल जाना व्यवस्थाओं पर आरोप सिद्ध करता हैं, उससे अधिक जल के बड़ते बाजारीकरण, औधोगिकीकरण, शहरीकरण को दोषी ठहराना उचित लगता है।

वर्तमान परिस्थितियों में आम व्यक्ति को शुद्ध मीठा पानी नसीब नहीं हो पा रहा। पानी में विभिन्न प्रकार के जहरीले पदार्थ पाएं जा रहें हैं, रसायन मिल रहें हैं। मानव शरीर पर लक्षण दिखाई दे रहें हैं, बच्चों में कुपोषण बढ़ रहा है। भूगर्भीय ताप बढने लगा है। परिस्थितियां प्रति कुल होती नजर आ रही है। वर्तमान विपरीत परिस्थितियों से बचने के लिए हमें वृक्षारोपण, वनों के संरक्षण, वर्षा जल प्रबंधन में सहभागिता निभानें के साथ जल के बढ़ते बाजारीकरण कों रोकना होगा, औधोगिक इकाइयों में मीठे पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। पानी पेड़ पर्यावरण संरक्षण पर कार्य करने के लिए औद्योगिक इकाइयों को मजबूर करना चाहिए। जिससे आम आदमी को मीठा पानी नसीब हो सकें, अन्यथा वह समय दूर नहीं जब लोग पानी को तरसते नजर आएंगे, क्योंकि एक दशक से जोहड़ पानी को तरस रहे हैं, वहीं भूगर्भ में जल कम पड़ता दिखाई दे रहा है। लेखक के अपने निजी विचार है।

सितारों की चाल : आपका भविष्यफल

दिनांक २५ अगस्त 2026 मंगलवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला वृश्चिक और धनु राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन श्री हनुमान जी तथा भूमिपुत्र मंगल देव की उपासना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान जी को चमेली का तेल और सिंदूर अर्पित करने तथा सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन की समस्त बाधाएं दूर होती हैं और असीम आरोग्य पराक्रम तथा विजय प्राप्त होती है।

मेष

आज आपका पराक्रम और कार्य कुशलता चरम पर रहेगी जिससे आप कठिन से कठिन चुनौतियों को भी बहुत सरलता से पार कर लेंगे। भूमि और भवन से जुड़े पुराने मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे। हनुमान जी को बूंदी का भोग लगाएं जिससे आपके सभी रुके हुए कार्य तेजी से पूरे होंगे।

वृष

आज आपको अपनी वाणी और भाषा शैली पर विशेष संयम रखने की आवश्यकता है अन्यथा परिजनों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। व्यापार में धन का लेन देन करते समय पूरी सतर्कता बरतें। किसी मंदिर में लाल मसूर की दाल दान करें जिससे आपकी आर्थिक समस्याएं दूर होंगी।

मिथुन

आज आपकी तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता और रणनीतिक सोच से व्यापार में अप्रत्याशित लाभ के सुंदर योग बन रहे हैं। नए संपर्क सूत्रों के माध्यम से करियर में प्रगति होगी। श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके यश और सम्मान में निरंतर वृद्धि होगी।

कर्क

आज कार्यस्थल पर अधिक कार्यभार के कारण शारीरिक थकान और तनाव का अनुभव हो सकता है इसलिए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अनावश्यक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। शिवलिंग पर शहद अर्पित करें जिससे आपका मानसिक तनाव दूर होगा और शांति मिलेगी।

सिंह

आज आपकी राशि पर मंगल का शुभ प्रभाव बना रहेगा जिससे समाज और राजनीति के क्षेत्र में आपका वर्चस्व और प्रभाव बढ़ेगा। आय के नए स्रोत मिलने से मन अत्यंत प्रफुल्लित रहेगा। हनुमान जी के सम्मुख दीपक जलाएं जिससे आपकी सभी बाधाएं स्वतः समाप्त होंगी।

कन्या

आज प्रशासनिक और सरकारी कार्यों में आपको बड़ी सफलता प्राप्त होगी तथा उच्च अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यापारिक क्षेत्र में नई योजनाओं को लागू करने के लिए समय उत्तम है। गरीब बच्चों को फल दान करें जिससे आपके भाग्य का द्वार खुलेगा।

तुला

आज धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आपको आत्मिक संबल और परम शांति मिलेगी। भाग्य का पूर्ण साथ मिलने से सोचे हुए कार्य पूरे होंगे। बहते जल में थोड़ा सा गुड़ प्रवाहित करें जिससे आपके कष्ट दूर होंगे।

वृश्चिक

आज आपको वाहन चलाते समय और यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। व्यावसायिक निर्णयों में जल्दबाजी से बचें और अनुभवी लोगों से परामर्श लें। संकट नाशन गणेश स्तोत्र का पाठ करें जिससे सभी गुप्त संकट समाप्त होंगे।

धनु

आज दांपत्य जीवन में अपार मधुरता रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक कार्य पूरा होगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ होने के मजबूत योग हैं। मस्तक पर लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपका प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं को परास्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आपके पक्ष में कोई राहत मिल सकती है। पक्षियों को लाल ज्वार या गेहूं डालें जिससे मन का भय समाप्त होगा।

कुंभ

आज विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत शुभ और सफलता देने वाला रहेगा तथा अध्ययन में एकाग्रता बनी रहेगी। कला और लेखन क्षेत्र से जुड़े जातकों को सम्मान मिलेगा। हनुमान चालीसा का वाचन करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी।

मीन

आज आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी और भूमि अथवा नए वाहन की खरीद-फरोख्त से जुड़ा निर्णय ले सकते हैं। पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा। गाय को गुड़ और रोटी खिलाएं जिससे आपके घर में शांति और अखंड समृद्धि बनी रहेगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

मंगलवार के दिन भवन के दक्षिण कोण अथवा मुख्य द्वार को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां चमेली के तेल का दीपक प्रज्वलित करने तथा सिंदूर से स्वास्तिक निर्मित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा हनुमान जी की कृपा से दुर्घटना भय तथा नकारात्मक ऊर्जा का पूर्ण विनाश होता है।

ट्रक में खाद के बोरों के बीच छिपा था 1.25 करोड़ का गांजा

- एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स आगरा ने की कार्रवाई, पांच अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

एनएच टू पर ट्रक संख्या संख्या सीजी 04 एचजेड 3433 में खाद ले जारे ट्रक का एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स आगरा की टीम पीछा कर रही थी। टीम ने फरह क्षेत्र में एनएच-2 पर दक्षिणी बाईपास पुल के पास घेराबंदी की और संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने ट्रक को पकड लिया। फरह क्षेत्र में पुलिस और एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) आगरा की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 250 किलोग्राम (ढाई क्विंटल) अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद किए गए इस गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.25 करोड़ रुपये आंकी गई है। 5 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है।

तस्कर इस गांजे की बड़ी खेप को ओडिशा से ट्रक के जरिए अलीगढ़ ले जा रहे थे। इससे पहले दो जुलाई को भी फरह क्षेत्र में ही टीम ने करीब 130 किलो गांजा पकडा था जिसकी कीमत लाखों में थी। सीओ उमेश पवार के अनुसार, संयुक्त टीम को गांजा तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने एनएच-2 पर दक्षिणी बाईपास पुल के पास घेराबंदी की और संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने गांजा तस्करों को पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह गांजा ओडिशा से मंगाया गया था और इसे मथुरा के रास्ते अलीगढ़ ले जाया जा रहा था। कार्रवाई में एक बलेनो कार और एक ट्रक भी जब्त किया गया, जिनका उपयोग गांजे की तस्करी के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में तस्करों, चालक और हेल्पर सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ओमेक्स कोर्टयार्ड हादसे में निर्माण कंपनी के खिलाफ मुकदमा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वृंदावन में ओमेक्स कोर्टयार्ड निमार्णाधीन शॉपिंग मॉल में हुए हादसे के मामले में पुलिस ने निर्माण कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हादसे में मृतक मजदूर रफ्यूल मियां की पत्नी की तहरीर पर वी.के.जे. प्रोजेक्ट प्राइवेट कंपनी लिमिटेड के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

रुक्मिणी बिहार गोल चक्कर के पास निमार्णाधीन शॉपिंग मॉल की चौथी मंजिल पर छज्जे की ढलाई के दौरान हिस्सा गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि एक मजदूर घायल हुआ था।

घायल मजदूर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मृतक रफ्यूल मियां की पत्नी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर निर्माण कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मथुरा में 13 मिडडे मील रसोइयों को मिले आयुष्मान कार्ड

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिड-डे मील रसोइयों के सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड का वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद मथुरा के कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक बल्देव पूरन प्रकाश द्वारा उपस्थित 13 रसोइयों (मछला, ज्ञानवती, ममता, योगेन्द्र कुमार, बसंती देवी, कमलेश, हसीना, इंद्रा देवी, रामबेटी, सीता कुमारी, डोरी लाल, सकुनात व समीना) को बढ़े हुए मानदेय के चेक, आयुष्मान कार्ड एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने जनपद भर से आए रसोइयों से सीधा संवाद कर उनके अनुभव जाने व उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी गिरिराज सिंह, राकेश कुमार, दिनेश कुमार त्रिपाठी, बुद्धसेन सिंह, कौशल कुमार, जिला समन्वयक अतुल पाठक, राहुल फोगाट, विक्रांत कुमार, आशीष भदौरिया, प्रगति मिश्रा, अंजुल शर्मा तथा स्टेट रिसोर्स ग्रुप से अमित कुमार अद्भुत, शिव कुमार, दिव्या मिश्रा सहित समस्त एआरपी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में रसोइया उपस्थित रहे।

संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन ने रोपे 247 पौधे

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आजादी पर्व के पखवाड़े में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ने भारत को हराभरा खूबसूरत वनों का देश बनाने हेतु 5 वर्ष पूर्व शुरू की गई श्रंखला वननेस - वन अभियान के छठे चरण में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद से देश के 630 से अधिक ब्रांचों में दो लाख से ज्यादा पौधे लगाकर वास्तविक देशभक्ति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी क्रम में मथुरा जिले में 247 पौधे लगाए गए। गोवर्धन रोड के सतोहा स्थित श्री राधा सिटी कालोनी के एक पार्क में 140 और कोसीकलां के बठैन गेट स्थित नगला परसादी के डा भीमराव अम्बेडकर पार्क में 70 तथा फरह के दीनदयाल धाम में 37 पौधे रोपे गए।

मथुरा के जोनल इंचार्ज एचके अरोडा ने बताया कि समय के साथ यह अभियान निरंतर विस्तार पाते हुए देशभर में लाखों लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दे रहा है। मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण ने बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों में अब तक 600 से अधिक ह्यवननेस वनद्ध स्थलों पर रोपे गए वृक्षों का संरक्षण एवं संवर्धन निरंकारी भक्तों ने पूर्ण समर्पण के साथ किया, जिसमें लगभग 350 वृक्ष समूह स्थापित किए जा चुके हैं। निरंकारी मिशन केवल पौधे लगाने तक अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक निरंतर संरक्षण देने का संकल्प भी निभाता है। यह अभियान हमें स्मरण कराता है कि धरती केवल हमारी विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढियों के प्रति हमारी सांझा जिम्मेदारी है। इस अभियान में एसएनसीएफ एवं संत निरंकारी सेवादल के सदस्यों के साथ तमाम निरंकारी भक्तों और श्रीराधा सिटी वेलफेयर सोसायटी से जुडे कॉलोनी वासियों ने मिलकर संयुक्त रूप से नीम, गुलमोहर, सेजन, जामुन, अर्जुन, इमली, पीपल आदि के पौधे लगाकर पुण्य कमाया।

संदिग्ध परिस्थितियों में करंट लगने से युवक की मौत

टीएनएफ टुडे, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव लोरिहा पट्टी में शनिवार की देर रात चोर करीब 2.30 बजे गांव में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर के पास बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक युवक अपने साथियों के साथ विद्युत ट्रांसफार्मर की चोरी करने आया था। इसी बीच करंट लगने से उसकी मौत हो गई। मृतक के शव को उसके साथी मौके पर ही छोड कर भाग गये। पुलिस के अनुसार मृतक चोर की शिनाख्त अलीगढ़ के गांव गिरधरपुर निवासी अजय यादव पुत्र कुंवरपाल के रूप में हुई है।

शनिवार की देर रात चोर करीब 2.30 बजे की बताई जा रही है। सीओ अनिल कुमार सिंह का कहना है कि देर रात विद्युत ट्रांसफार्मर की चोरी के दौरान एक चोर को करंट लगने से मौत हो गई। घटना को लेकर सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह मय फोर्स के घटनास्थल पहुंचे।

राजेंद्र सिकरवार ईमानदार नेता थे: जयंत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- पूर्व जिलाध्यक्ष के घर पहुंचे, शोकाकुल परिवार को दी सांत्वना

कौशल विकास और उद्यमित मंत्रालय में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि राजेंद्र सिकरवार पार्टी के वफादार एवं ईमानदान नेता थे। वह जब भी मिलते थे, मुस्कराकर मिलते थे। कठिन समय में भी हम सब एक थे।

चौधरी रविवार को पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह सिकरवार के गोलाक गमन के बाद उनके आवास पर पहुंचे थे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उनसे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। पार्टी का शीर्ष नेता होने के नाते बहुत सी बातें उन तक नहीं पहुंचती, लेकिन हमारे दिवंगत नेता मुझसे हर बात करते थे। वह मुझे अपने परिवार का ही सदस्य समझते थे। इस मौके पर पत्रकारों ने सपा नेता अखिलेश यादव की चबन्नी से रूपए वाली बात पर प्रतिक्रिया चाही तो जयंत चौधरी ने उसे मुस्कारते हुए टाल दिया कहा कि आज हम अपने दिवंगत नेता के यहां आए हैं। इस पर फिर कभी बात करेंगे। इससे पूर्व उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त कीं। उनके साथ जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह सहित अनेक नेता मौजूद थे।

हिंदू मुस्लिम की लड़ाई में देश फंसा दिया महंगाई में

टीएनएफ टुडे, मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन की मथुरा इकाई ने देश में बेलगाम बढ़ती महंगाई के विरोध में सडक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने किया। इस दौरान संगठन के कार्यकताओं ने हाथों में भाजपा एवं मोदी सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ नारे लिखी तख्तियां लेकर महंगी चीनी, महंगा सरसों तेल, रसोई गैस, डीजल-पेट्रोल और खाने-पीने की वस्तुओं की बेतहाशा मूल्य वृद्धि के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार से महंगाई वापस लेने की मांग की। इस अवसर पर रमेश सैनी और महासचिव नरेश चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि देशव्यापी महंगाई भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का दुष्परिणाम है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि ष्हिंदू मुस्लिम की लड़ाई में देश फंसा दिया महंगाई मेंष सरकार जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाना चाहती है। फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमारी रसोई में आग लगा दी है। खाने-पीने की चीजें आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई हैं, जो अब सबके बस की बात नहीं रही। इस विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से रमेश सैनी, लुकेश कुमार राही, नरेश चौधरी, क्रांति कुमार, लेखराज, कुणाल डागोर, सिद्धांत भाटिया, इंजी. गौरव कुमार, आकाश बाबू, भोला कर्दम, चित्रसेन मौर्य, धर्मवीर सिंह, एडवोकेट विवेक कुमार, सौदान सिंह, कुमारी खुशी, गौस मोहम्मद, पिंकू, सरदार महेंद्र सिंह, सुमित कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सवर्ण समाज अपने बीच से चुने नेता: चंद्रशेखर आजाद

एत्मादपुर (आगरा)। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद रविवार को एत्मादपुर पहुंचे। वे आजाद समाज पार्टी के प्रदेश सचिव मुकेश कुमार निवासी गांव सिकतरा के भाई की आकस्मिक मृत्यु की सूचना पर शोक व्यक्त करने आए थे। चंद्रशेखर आजाद ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना जताई। इसके बाद उन्होंने एक अन्य परिवार से मुलाकात की। कार्यकताओं संग चुनावी रणनीति पर मंथन के दौरान चंद्रशेखर आजाद ने आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकताओं से मुलाकात की। उन्होंने सवर्ण समाज को नसीहत दी। दिल्ली में यूजीसी का विरोध कर रहे सवर्ण समाज के प्रदर्शन पर कहा, "सवर्ण समाज को अपने संगठन के व्यक्ति को नेता बनाना चाहिए। ऐसा नेता ही विधानसभा और लोकसभा में आपकी आवाज को मजबूती से उठा सकता है। प्रदेश सरकार पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "आगरा उत्तर प्रदेश का दिल है, जहां विश्व प्रसिद्ध ताजमहल है। लेकिन मौजूदा सरकार ने अपनी नाकामियों से इस ऐतिहासिक और खूबसूरत आगरा को 'कस्ता महल' बनाकर रख दिया है।" इस दौरान रिंकू सेठ, कुलदीप शाह, उमाशंकर बघेल और श्रीकृष्ण प्रधान सहित पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

डीसीपी के हस्तक्षेप पर 4 के खिलाफ क्रास प्राथमिकी

बाह। क्षेत्र के एक गांव में 15 अगस्त को हुई मारपीट के मामले में बाह पुलिस ने डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल के हस्तक्षेप पर 4 के खिलाफ क्रास प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में पहले एक परिवार ने शौच के रास्ते पर किशोरी के साथ छेड़छाड़ किए जाने एवं घर की देहरी तक पीटे जाने में 5 लोगों को नामजद कराया था। दूसरे पक्ष के दो लोग घायल हुए थे। पुलिस ने मेडीकल कराया था। लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं की थी। जिस पर पीड़ित परिवार ने डीसीपी पूर्वी से गुहार लगाई थी कि गाली गलौज के विरोध पर मारपीट की गई है। उनके निर्देश पर बाह पुलिस ने दूसरे पक्ष की ओर से क्रास प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें किशोरी पक्ष के 4 लोगों को नामजद कराया गया है। एसीपी बाह जितेन्द्र कुमार ने बताया कि बाह पुलिस की जांच में प्रकाश में आने वाले तथ्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई होगी।

विजीलेंस ने 5 घरों में पकड़ी बिजली चोरी

बाह। बाह के उपखंड अधिकारी विद्युत नितिन माहेश्वरी के नेतृत्व में विद्युत विजीलेंस की टीम ने शनिवार देर शाम बाह के अशोक नगर, बिजौली, विद्यारामपुरा में 25 घरों में चैकिंग की। चैकिंग में 5 घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई।

स्कूल के पास घुटनों तक भरा तालाब का पानी

बाह। जैतपुर विकास खंड के पुरा खुमानसिंह गांव के परिषदीय प्राथमिक विद्यालय के पास तालाब है। बारिश के चलते उफनाए तालाब का पानी स्कूल के रास्ते पर भर गया है। बस्ती के घरों तक भरे तालाब के पानी को लेकर भी अभिभावक सवाल उठा रहे हैं। बच्चों के लिए स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है। अभिभावकों का कहना है कि छोटे बच्चों को इस तरह जलभराव से होकर स्कूल भेजना जोखिम भरा है। किसी बच्चे के बहने या फिसलने की आशंका से परिवार चिंतित हैं। गांव के जितेन्द्र सिंह भदौरिया, अवधेश भदौरिया, शुभम, सुभाष भदौरिया, देवेन्द्र भदौरिया, भूपेन्द्र सिंह, दिनेश सिंह, श्रीकांत भदौरिया, कुलदीप सिंह, प्रमोद सिंह, संजय सिंह, संदीप भदौरिया, अशोक सिंह, इंद्रपाल सिंह, सतेन्द्र सिंह भदौरिया, गणेश भदौरिया ने पानी की निकासी कराकर स्कूल के रास्ते को साफ कराने एवं जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराए जाने की मांग की है। नीरज तिवारी, खंड विकास अधिकारी, जैतपुर कला का कहना है कि तालाब के पानी की निकासी कराई थी। यदि फिर से तालाब का पानी रास्ते पर भरा है तो निकासी के साथ ही सफाई कराई जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर खिले उठेगी ब्रजभूमि की आभा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- नगर में 26 मंचों पर गूंजेगी ब्रज संस्कृति
- विश्राम घाट पर 5100 दीपों का दीपदान

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए मथुरा में तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रशासन, पुलिस और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैठक में बिजली, सुरक्षा, यातायात, सफाई, पेयजल, पार्किंग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जन्माष्टमी के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं।

जन्मोत्सव के दौरान 2 से 4 सितंबर तक जिलेभर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बार 5 मुख्य मंचों और 21 लघु मंचों सहित कुल 26 मंचों पर ब्रज की लोक संस्कृति, रासलीला, भजन संध्या और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी, जिससे पूरा मथुरा भक्तिमय माहौल में रंग जाएगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 76 अस्थायी शौचालय, 186 पेयजल टैंकर, 5 स्थायी और 10 अस्थायी पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की है। वहीं सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 1100 सफाई कर्मचारी तैनात किए जाएंगे, जबकि श्रीकृष्ण जन्मस्थान क्षेत्र में 250 अतिरिक्त कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई जाएगी। जन्माष्टमी महोत्सव को देखते हुए पूरे जिले को 3 जोन और 17 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 95 बैरियर, 15 वॉच टावर, 125 सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन निगरानी की व्यवस्था रहेगी। प्रमुख मंदिरों, घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया जाएगा।

4 सितंबर की संध्या को विश्राम घाट पर 5100 दीपों का भव्य दीपदान कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके अलावा शहर के 25 प्रमुख चौराहों और तीन प्रमुख घाटों को आकर्षक विद्युत सजावट से रोशन किया जाएगा, जिससे जन्मभूमि नगरी का अलौकिक स्वरूप देखने को मिलेगा।

धानुका स्कूल से गार्ड की बेटी राधिका परिहार का नेशनल में चयन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

- गार्ड की बेटी लाई दूसरी बार गोल्ड, अब खेलेगी नेशनल
- आगामी नेशनल प्रतियोगिता मध्य प्रदेश में होगी

अंडर 14 की प्रदेश कबड्डी प्रतियोगिता में गार्ड की बेटी राधिका परिहार ने दूसरी बार गोल्ड मेडल लाकर हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर वृंदावन मथुरा का प्रदेश स्तर पर नाम रोशन किया। सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज शिकारपुर बुलंदशहर में प्रदेश भर से आये खिलाड़ियों,कोच और खेल प्रेमियों का राधिका परिहार ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का मन मोह और तालियों की गड़गड़ाहट से जीता दिल जिससे भारी उत्साहित दिखी राधिका। अच्छे प्रदर्शन और नेशनल में विद्यालय की बालिका के पर चयन पर प्रधानाचार्य रजनी गुप्ता ने अपने कोच भावना सिंह, सुमन यादव, सुनील सिंह को सम्मानित कर बधाई दी। बल्देव क्षेत्र के गांव बरौली की राधिका परिहार निवासी है, इनके बाबा भारत केशरी सूरज पहलवान बच्चन पहलवान नातिन के अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित हैं और क्षेत्र में खुशी की लहर है।

जीएसटी की जटिलताओं से राहत की मांग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

- जीएसटी के शिकंजे में व्यापारी, तीन साल बाद फर्जी फर्म का तमगा मिलने पर उठे सवाल
- इंजीनियरिंग कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के 33वें स्थापना दिवस पर आयोजन

इंजीनियरिंग कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन की ओर से 33वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन वाटर वर्क्स स्थित स्टेट अग्रवंश में किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल और विशिष्ट अतिथि जीएसटी के जॉइंट कमिश्नर एके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में उद्योग और व्यापार से जुड़ी समस्याओं पर मंथन हुआ।

अध्यक्ष अतुल गोयल ने कहा कि जीएसटी व्यवस्था लागू होने के बाद कारोबार में पारदर्शिता बढ़ी है, लेकिन छोटे और मध्यम व्यापारियों के सामने आज भी कई व्यावहारिक समस्याएं बनी हुई हैं। सबसे बड़ी समस्या जीएसटी पंजीकरण और फर्म के सत्यापन को लेकर है। विभाग आसानी से फर्म का जीएसटी पंजीकरण कर देता है, लेकिन कई बार वर्षों बाद उसी फर्म को फर्जी घोषित कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में व्यापारी के सामने टैक्स, ब्याज और जुर्माने की बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। यदि किसी फर्म के दस्तावेजों, पते या कारोबार में कोई कमी है तो उसका सत्यापन पंजीकरण के समय ही किया जाना चाहिए। तीन साल कारोबार करने के बाद व्यापारी को फर्जी फर्म बताकर कार्रवाई करना उचित नहीं है।

सचिव मुकेश जैन ने कहा कि वर्तमान में बाजार में कारोबार की रफ्तार लगातार प्रभावित हो रही है। व्यापारी निवेश करने से पहले कई बार सोचने को मजबूर है। कारोबार में प्रतिस्पर्धा और लागत बढ़ने के साथ-साथ जीएसटी की जांच और कार्रवाई का डर भी व्यापारियों के मन में बना रहता है। विभाग को छोटी-छोटी तकनीकी त्रुटियों पर दंडात्मक कार्रवाई करने के बजाय पहले व्यापारी को सुधार का अवसर देना चाहिए।

कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि आगरा में इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उद्योगों के विस्तार और नए कारोबार की स्थापना के रास्ते में कई व्यावहारिक अड़चनें हैं। डीजल की बढ़ती कीमत और बिजली की उपलब्धता में सुधार का असर पंपिंग सेट कारोबार पर पड़ा है।

पूर्व अध्यक्ष अमित मित्तल ने कहा कि सरकार यदि आगरा में नए उद्योग स्थापित करने, पुराने उद्योगों के विस्तार, आसान ऋण, बेहतर औद्योगिक सुविधाएं और सरल कर व्यवस्था की दिशा में ठोस कदम उठाए तो रोजगार के साथ-साथ राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। जीएसटी की रियायतों और नियमों को लेकर व्यापारियों में बने असमंजस को दूर करने के लिए सरल और स्पष्ट व्यवस्था की मांग की।

कार्यक्रम में श्रीकृष्ण अग्रवाल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन अमित जैन ने किया। कार्यक्रम संयोजक शलभ गर्ग, मनोज गर्ग, अमित मित्तल, नितिन गर्ग, उमेश बंसल, अतुल गुप्ता, संजय गोयल, अमित जैन, नरेश गर्ग, योगेश राय, दीपेंद्र बंसल, विजय बंसल, रूपल गोयल, संजय गर्ग आदि मौजूद रहे।

रसोइयों का मानदेय बढ़कर हुआ तीन हजार, कैशलेस स्वास्थ्य बीमा की भी सुविधा

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पीएम पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों के सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम में विधायक भोगांव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री रामनरेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रसोइयों का मानदेय पहले एक हजार रुपये था, जिसे बढ़ाकर दो हजार और अब तीन हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि रसोइयों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक के कैशलेस स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सहायता तथा पोशाक के लिए बढ़ी हुई धनराशि का लाभ मिलेगा। उन्होंने रसोइयों से विद्यालयों में बच्चों को स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की।

भाजपा जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि रसोइयों का मानदेय तीन हजार रुपये किया जाना सरकार की संवेदनशीलता को दशार्ता है। पोशाक के लिए मिलने वाली राशि भी 500 से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नई सुविधाएं सितंबर से लागू होंगी और अक्टूबर में बढ़े हुए मानदेय का लाभ मिलेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा कि रसोइयों के मानदेय में वृद्धि के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा और दुर्घटना सहायता जैसी सुविधाएं उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि रसोइयों का योगदान बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और विद्यालयी वातावरण से सीधे जुड़ा है।

कार्यक्रम में विधायक रामनरेश अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, जिलाध्यक्ष ममता राजपूत, जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने रसोइया बहनों को बढ़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक एवं मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित कर सम्मानित किया।

एचपीवी टीकाकरण में मैनपुरी की शानदार उपलब्धि, मंडल में प्रथम स्थान पर

जागीर, सुल्तानगंज, मैनपुरी शहरी एवं घिरोर में लक्ष्य से अधिक टीकाकरण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद में संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान में मैनपुरी ने उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करते हुए आगरा मंडल में प्रथम स्थान तथा प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। दिनांक 22 अगस्त 2026 तक जनपद में निर्धारित 22,592 के लक्ष्य के सापेक्ष 21,898 लाभार्थियों का टीकाकरण किया जा चुका है, जिससे 96.93 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी मैनपुरी डॉ. आर.सी. गुप्ता ने बताया कि जनपद में एचपीवी टीकाकरण अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। यह उपलब्धि जिलाधिकारी मैनपुरी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी,के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रभावी नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ शिक्षा विभाग, आईसीडीएस विभाग, पंचायती राज विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। सभी विभागों के आपसी समन्वय, विद्यालय स्तर पर प्रभावी माइक्रोप्लानिंग, लाभार्थियों को जागरूक करने तथा टीकाकरण सत्रों की नियमित निगरानी के परिणामस्वरूप मैनपुरी ने मंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

जनपद के जागीर, सुल्तानगंज, मैनपुरी शहरी एवं घिरोर क्षेत्रों में एचपीवी टीकाकरण की उपलब्धि 100 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। शेष विकास क्षेत्रों में भी टीकाकरण कार्य तेजी से चल रहा है तथा इस सप्ताह जनपद में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने का लक्ष्य है।

जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. विनय कुमार शुक्ला ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत निर्धारित टीकाकरण सत्र स्थलों एवं विद्यालयों में नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है। टीकाकरण टीमों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने तथा छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उनका टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान की प्रगति की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहे।

मैनपुरी को एचपीवी टीकाकरण में प्रदेश का अग्रणी जनपद बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं और शीघ्र ही जनपद शत-प्रतिशत उपलब्धि का लक्ष्य प्राप्त करेगा।

रसोइयों के मानदेय में वृद्धि बड़ी राहत: अनुजेश प्रताप यादव

टीएनएफ टुडे, करहल।

पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड करहल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुजेश प्रताप यादव ने रसोइयों को सम्मानित करने के साथ ही कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए।

इस अवसर पर अनुजेश प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों के मानदेय में 1,000 रुपये की वृद्धि किए जाने तथा कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मानदेय में वृद्धि रसोइयों के लिए बड़ी राहत है। सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। भाजपा की डबल इंजन सरकार सबका साथ और सबका विकास के उद्देश्य से आगे बढ़ रही है।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कल्पेन्द्र भारतीय, बीईओ करहल दीपक कुमार, बीईओ बरनाहल सुनील कुमार दुबे, सतेन्द्र प्रताप सिंह, रामनरेश यादव, चंद्रवीर, श्रीकांत, अमरनाथ पचौरी, राजेश कुमार, योगेश, पंकज पाण्डेय और दिलीप कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मीणा देवी, निवासा देवी, मीना देवी समेत बड़ी संख्या में रसोइयों ने भाग लिया।

राधेश्याम सहावर थाना प्रभारी, चमन कुमार संभालेंगे गंजडुंडवारा

टीएनएफ टुडे, कासगंज। जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा प्रशासनिक व्यवस्था के हित में पुलिस विभाग में चार निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक कासगंज ओपी सिंह ने इन निरीक्षकों को नवीन तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इस बदलाव में थाना गंजडुंडवारा के प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम का स्थानांतरण कर उन्हें थाना सहावर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है, जबकि साइबर क्राइम थाने के प्रभारी निरीक्षक चमन कुमार गोस्वामी को गंजडुंडवारा थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में विनोद कुमार, जो अब तक प्रभारी न्यायालय सुरक्षा के पद पर तैनात थे, उन्हें प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम बनाया गया है। वहीं पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक श्री रामवकील सिंह को प्रभारी न्यायालय सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संबंधित अधिकारियों को नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एलाऊ में बंदरों का आतंक, महीने भर में छह बच्चे घायल

डीएम से ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर बंदरों को पकड़वाने की मांग की

टीएनएफ टुडे, एलाऊ।

ब्लॉक जागीर क्षेत्र के एलाऊ गांव में बंदरों के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में करीब दो दर्जन बंदर घूम रहे हैं और आए दिन लोगों पर हमला कर रहे हैं। पिछले एक महीने में बंदरों के हमले में आधा दर्जन छोटे बच्चे घायल हो चुके हैं। रविवार सुबह भी एक बंदर ने मायके आई महिला के डेढ़ माह के बच्चे पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने प्रदर्शन कर बंदरों को पकड़वाने की मांग की।

ग्रामीणों के अनुसार, एक माह के दौरान वीरशाय शाक्य, पुष्पेंद्र तोमर, वीरू पाल, संजू कुमार, गोविंद समेत कई ग्रामीणों के छोटे बच्चे बंदरों के हमले में घायल हो चुके हैं। रविवार सुबह गांव में अपने मायके आई सोनम पाल के डेढ़ माह के बेटे पर बंदर ने हमला कर दिया। बच्चे के रोने और शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और डंडे आदि लेकर बंदर को भगाया। परिजन घायल बच्चे को उपचार के लिए जिला अस्पताल मैनपुरी ले गए। घटनाओं से नाराज ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों को पकड़वाने के लिए कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। बंदरों के डर से छोटे बच्चे अकेले घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। बंदर घरों की छतों पर पहुंचकर कपड़े, घरेलू सामान आदि भी नुकसान पहुंचाते हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक दोपहर बाद गलियों में बच्चों का अकेले निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है, कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर बंदरों को शीघ्र पकड़वाया जाए, ताकि किसी बड़ी घटना को होने से रोका जा सके और गांव के बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। प्रदर्शन के दौरान किशनपाल चौहान, रामलखन, सोनू चौहान, सुल्तान, अंकित तोमर, मनमोहन, विशुनपाल, राजू, आसराम, ब्रजेश, रामोतार समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने किया अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल संदलपुर का औचक निरीक्षण, खराब सीसीटीवी कैमरों पर जताई नाराजगी

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा विकास खण्ड हाथवंत क्षेत्र के अंतर्गत अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल, संदलपुर का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने गौवंशों के संरक्षण, चारा-पानी, साफ-सफाई, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में लगे सीसीटीवी कैमरों के खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त कराने तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही गौवंशों के समुचित संरक्षण एवं आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने अंत में कहा कि "शासन की मंशा के अनुरूप गौवंशों का संरक्षण और देखभाल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आश्रय स्थलों पर चारा-पानी, स्वच्छता एवं पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करें।"

जिलाधिकारी ने शिकोहाबाद के 'अटल वन' का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिए कड़े निर्देश

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने तहसील शिकोहाबाद क्षेत्र के ग्राम मोहिनीपुर दरिगापुर स्थित 'अटल वन' पौधारोपण स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वन क्षेत्र में रोपित पौधों की स्थिति, सुरक्षा और सिंचाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि 5 हेक्टेयर में विस्तृत इस 'अटल वन' में कुल 10 विभिन्न प्रजातियों के लगभग 8 हजार पौधे रोपित किए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से जामुन, शीशम, अर्जुन, कांजी आदि के पौधे शामिल हैं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि "पौधारोपण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि पर्यावरण संतुलन और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। 'अटल वन' में लगाए गए सभी 8 हजार पौधों की शत-प्रतिशत उत्तरजीविता सुनिश्चित की जाए। पौधों की नियमित सिंचाई, ट्री-गार्ड एवं तारबंदी से सुरक्षा, और खाद-पानी का विशेष ध्यान रखा जाए।

भाजपा की नीतियों पर बसपा अध्यक्ष राजकपूर का निशाना

टीएनएफ टुडे, सहावर।

- संतों, गुरुओं और महापुरुषों के नाम पर वोट की राजनीति कर रही भाजपा
- बहुजन समाज को सचेत रहने की जरूरत

विधानसभा क्षेत्र के बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष राजकपूर बौद्ध ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार एससी, एसटी और ओबीसी समाज के संतों, गुरुओं और महापुरुषों का इस्तेमाल कर उनके समाज का वोट हासिल करना चाहती है। राजकपूर बौद्ध ने कहा कि भाजपा और अन्य राजनीतिक दल बहुजन समाज का वोट तो लेना चाहते हैं, लेकिन उनके बेहतर जीवन और भविष्य के लिए ठोस कार्य नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि बहुजन समाज पार्टी ही ऐसी पार्टी है, जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे जनता से जुड़े मुद्दों पर काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बसपा की सरकार बनने पर इन क्षेत्रों में पहले से बेहतर काम किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों से बसपा की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव में बसपा को मजबूत करने और पार्टी की सरकार बनाने का दावा किया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय यूपी दौरे पर आएंगे, मैनपुरी के 20 प्रतिनिधि होंगे शामिल

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग का प्रतिनिधिमंडल 24 और 25 अगस्त को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग, महानिदेशक मीडिया आशीष गोयल, महानिदेशक आईटी डॉ. सीमा खन्ना सहित आयोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

दौरे का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं एवं भावी मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने, निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने तथा बूथ लेवल अधिकारियों से संवाद कर उनके अनुभव और सुझाव जानना है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त 24 अगस्त को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में आयोजित ELC 2.0 EUA ELC-NL क्षेत्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सम्मेलन में शाहजहांपुर, अयोध्या, बाराबंकी, सुलतानपुर, अमेठी, गोंडा, बहराइच, मैनपुरी, कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज, प्रतापगढ़, लखनऊ, हरदोई, खीरी, रायबरेली, सीतापुर और उन्नाव समेत 20 जनपदों के अधिकारी भाग लेंगे।

मैनपुरी से करीब 20 लोग होंगे शामिल

जनपद मैनपुरी की चारों विधानसभा क्षेत्रों से शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं अधिकारी समेत करीब 20 लोग सम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे। सम्मेलन में मतदाता पंजीकरण, मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा निर्वाचन आयोग की विभिन्न पहलों, नवाचारों और उपलब्धियों पर प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2018 में निर्वाचन साक्षरता क्लबों की शुरूआत की थी। अब बदलते डिजिटल परिवेश और युवाओं की बढ़ती डिजिटल भागीदारी को देखते हुए इसे एछउ 2.0 के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में निर्वाचन साक्षरता क्लबों को वर्षभर सक्रिय, अनुभवात्मक और डिजिटल रूप से सक्षम मंच बनाना है।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और भावी मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ देने के साथ ही बूथ लेवल अधिकारियों के जमीनी अनुभवों के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सुगम और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। प्रदेश में आगे भी इसी प्रकार के क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

एसओजी टीम व थाना सादाबाद पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में सराहनीय कार्य करते हुये लूट की घटना सफल अनावरण

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

17.08.2026 को वादी धर्मवीर सिंह पुत्र जगदीश सिंह निवासी ग्राम पटैनी थाना मुरसान जनपद हाथरस द्वारा लिखित तहरीर के माध्यम से सूचना दी कि दिनाँक 17.08.2026 को दिगम्बर फायनेंस कम्पनी मे फिल्ड ऑफिसर के रूप मे नियुक्त हूँ। कम्पनी के लोन के पैसे (किस्तो का पैसा) की वसूली करके ग्राम रधोई वर्जु से वापिस ऑफिस हाथरस के लिये जा रहा था। तभी सेनपुर बम्बा की तरफ से 03 लडकें आये, ओर किस्तो की वसूली कर मिले रुपए को लेकर भाग गये । वादी की लिखित तहरीर के आधार पर थाना सादाबाद पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत किया गया । उक्त घटना के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक हाथरस श्री चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेशानुसार चलाए जा रहे संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चैकिंग अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सादाबाद के पर्यवेक्षण मे एसओजी टीम व थाना सादाबाद पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए चेकिंग के दौरान टीकैत गांव बम्बा पुलिया से लूट/चोरी की योजना बना रहे 01 आरोपी को गिरफ्तार व 02 बाल अपचारियों को पुलिस निगरानी में लेने की महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुयी। जिनके कब्जे/निशादेही पर 01 मोटर साइकिल, 03 मोबाइल फोन, व 01 तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर, वादी का आधार कार्ड बरामद हुए है । गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध मे थाना सादाबाद पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तगणो द्वारा पूछताछ के दौरान अपने जुर्म से इकबाल करते बताया कि हम लोगो फाइनेंसर धर्मवीर पर काफी दिनों से नजर रखे हुये थे । दिनाँक 17.08.2026 को हम लोगो को जानकारी हुयी की आज फायनेन्सर ने काफी रुपए की वसूली की है । आज मौका है कि हम लोग रास्ते मे सारे पैसे छिन ले। हम लोग पीछे करते हुये सेनपुर बम्बा तक आये ओर वसूली के पैसे छिन कर ले गये । आज हम लोग दूसरी अन्य घटना को अन्जाम देने के लिये निकले थे।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण, बच्चों संग किया भोजन

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिले में संचालित शैक्षणिक व आवासीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने बच्चों के बीच पहुंचकर न केवल उनकी दैनिक दिनचर्या और व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि उनके साथ बैठकर भोजन (लंच) भी किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने बच्चों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, पठन-पाठन के स्तर, शिक्षकों की उपस्थिति और विद्यालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने मेस में तैयार हो रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और मेन्यू के अनुसार भोजन वितरण (जैसे पूरी, सब्जी, पनीर आदि) की जांच की। साथ ही शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी परखी।

जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सहित जिले के अन्य कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में छात्रों के रहने की उत्तम व्यवस्था और परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश जिलाधिकारी ने दिए ।

जिलाधिकारी ने कहा कि यदि विद्यालय परिसर या भवन के ऊपर से बिजली के ढीले/खुले तार गुजर रहे हैं, तो उन्हें तत्काल हटवाने और जर्जर भवनों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाए।

परिषदीय व अन्य विद्यालयों में 'ऑपरेशन कायाकल्प' के सभी मानकों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने तथा अध्ययन के लिए उचित वातावरण बनाए रखने पर बल दिया गया।

संवाद के दौरान बच्चों ने व्यवस्थाओं और भोजन पर संतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक परिवेश उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इस प्रकार के निरीक्षण निरंतर जारी रहेंगे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ मार्ग का किया भ्रमण, कांवड़ श्रद्धालुओं से की वार्ता

मंदिरों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा एवं भंडारे में ग्रहण किया प्रसाद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा कांवड़ मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में व्यवस्थाओं का स्थलीय जायजा लिया गया।भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक हाथरस द्वारा हाथरस-मथुरा मार्ग पर यात्रा कर रहे एवं विश्राम कर रहे कांवड़ श्रद्धालुओं से आत्मीय वार्ता कर उनकी कुशलक्षेम जानी गई। अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई। श्रद्धालुओं द्वारा हाथरस पुलिस एवं प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक हाथरस द्वारा कांवड़ मार्ग पर स्थित प्रमुख मंदिरों में पहुंचकर दर्शन-पूजन किया गया तथा मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान भीड़ प्रबंधन, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा गया तथा संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को निरंतर प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए गए।इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक हाथरस द्वारा शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा के लिए संचालित भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया गया। अधिकारियों द्वारा भंडारा संचालित कर रहे आयोजकों एवं सेवा में जुटे श्रद्धालुओं के सेवा भाव की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक हाथरस द्वारा कांवड़ श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे यात्रा के दौरान यातायात नियमों एवं निर्धारित कांवड़ मार्ग का पालन करें, अनावश्यक जल्दबाजी न करें तथा अनुशासन एवं सावधानी के साथ अपनी यात्रा पूर्ण करें।

साथ ही पुलिस एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से तत्काल संपर्क करने की अपील की गई।कांवड़ श्रद्धालुओं द्वारा हाथरस पुलिस एवं प्रशासन द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा व्यवस्था एवं सुविधाओं की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

हाथरस पुलिस का संकल्प शिवभक्तों की आस्था, हाथरस पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था

अंतिम सोमवार से पहले लहरा घाट पहुंची हर-हर महादेव की गूंज

- एसपी ने कावंड़ियों की सुरक्षा को दिए कड़े निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर बड़ी संख्या में कांवड़ियों के पहुंचने के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। रविवार को एसपी ओपी सिंह ने लहरा गंगा घाट और कांवड़ रूट का निरीक्षण किया। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण उन्होंने घाटों पर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरीकेटिंग और खतरे के संकेतक लगाने, नाव एवं गोताखोरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं को लगातार जागरूक करने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने को कहा।एसपी ने कांवड़ियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और सुरक्षित स्थानों पर ही स्नान करने की अपील की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के साथ सहयोगात्मक व्यवहार करें और सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए।

कांवड़ रूट पर यातायात, पार्किंग, रूट डायवर्जन, पेयजल, बिजली, सफाई और चेंजिंग रूम समेत व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इसके बाद कछला बैरियर चौकी पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और फल-प्रसाद वितरित किया। उन्होंने सभी कांवड़ियों की सकुशल यात्रा की मंगलकामना की।

बच्चों ने फैंसी ड्रेस और नृत्य में जीते पुरस्कार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

बीएस डायनामिक एकेडमी में आयोजित फैंसी ड्रेस और नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी रूबी बहन एवं निर्णायक मंडल ने मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। फैंसी ड्रेस में प्रख्यात ठाकुर, किमाया सिसोदिया, आराध्या भारद्वाज और आद्यांत उपाध्याय प्रथम रहे। सूर्यांश शाक्य, कविश अग्रवाल और आरोही चौधरी ने दूसरा तथा राध्या जैन, केशवी, दर्श सिंह और शिव्यांश भारद्वाज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में देवयानी सिसोदिया, टीना राजपूत, शुभ पाटकर, माधव माहेश्वरी, अधिराज और वैष्णवी सक्सेना ने बाजी मारी। श्रेयान्वी माहेश्वरी, अन्वी, अनन्या अग्रवाल और यशवी माहेश्वरी को द्वितीय तथा आराध्या गुप्ता समेत सात प्रतिभागियों को तृतीय पुरस्कार मिला। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए। पुरस्कार वितरण संरक्षक डॉ. सुभाष चंद्र दीक्षित, अखिलेश सक्सेना, प्रधानाचार्य सुनील वशिष्ठ और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने किया। संचालन अनीता सक्सेना, अनीता भारद्वाज, अंजना पाठक, राधा वर्मा एवं संगीता ने किया। अंत में निर्णायकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

रसोइयों का मानदेय बढ़ा, 5 लाख रू. तक कैशलेस इलाज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों के सम्मान और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को श्री गणेश इंटर कॉलेज, कासगंज के सभागार में किया गया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से मुख्यमंत्री के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों और रसोइयों ने मुख्यमंत्री की घोषणाएं सुनीं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 3.54 लाख रसोइयों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। रसोइयों के मानदेय में एक हजार रुपये प्रतिमाह की वृद्धि की गई है। अब उन्हें तीन हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इसके साथ ही ड्रेस और साड़ी के लिए मिलने वाली धनराशि भी 500 से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दी गई है। कार्यक्रम के दौरान रसोइयों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण की शुरूआत की गई।

93 प्रतिशत महिलाएं निभा रहीं अहम भूमिका

प्रदेश में पीएम पोषण योजना के तहत कार्यरत 3.54 लाख रसोइयों में करीब 93 प्रतिशत महिलाएं हैं। विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी कार्यक्षमता और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए किचेन गार्डन, पाक कला प्रतियोगिता और पोषण फिल्म के माध्यम से प्रशिक्षण की भी शुरूआत की घोषणा की गई।

जनपद स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रत्नेश कश्यप, भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, राज्य महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड़, जिलाधिकारी प्रणय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक रजनेश कुमार और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में रसोइये मौजूद रहे। समापन पर सीडीओ वीरेन्द्र सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परशुराम प्रतिमा स्थापना का मामला पहुंचा मुख्यमंत्री दरबार

- अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा ने मुख्यमंत्री से मिल अनुमति दिलाने का किया अनुरोध

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, पटियाली।

थाना सहावर क्षेत्र के फरौली गांव में भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर चल रहा विवाद अब मुख्यमंत्री दरबार तक पहुंच गया है। विगत कई दिनों से सहावर थाने के मंदिर में सुरक्षित रखी भगवान परशुराम की प्रतिमा को लेकर सामाजिक और राजनीतिक विरोध लगातार तेज हो रहा था। इसी बीच अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर फरौली में भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित किए जाने का मामला उनके समक्ष रखा और प्रतिमा स्थापना के लिए आवश्यक अनुमति दिलाए जाने का अनुरोध किया।

फरौली गांव में ग्राम समाज की भूमि पर भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित किए जाने के बाद प्रशासन ने बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने का हवाला देते हुए उसे मौके से हटवा दिया था। इसके बाद प्रतिमा को सहावर थाने के मंदिर में सुरक्षित रखवा दिया गया। प्रशासन का कहना था कि सार्वजनिक अथवा ग्राम समाज की भूमि पर बिना सक्षम अनुमति के किसी भी प्रकार की प्रतिमा स्थापित नहीं की जा सकती। उक्त प्रकरण को लेकर इससे पहले अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा, सदर विधायक देवेंद्र राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा और ब्राह्मण सभा के जिलाध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी प्रणय सिंह से भी मिला था। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के समक्ष फरौली में भगवान परशुराम की प्रतिमा हटाए जाने का मामला रखते हुए प्रतिमा स्थापना की अनुमति दिलाने की मांग की थी। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया था।

आस्था का अद्भुत नजारा, 131 मीटर की कांवड़

- 131 मीटर लंबी हनुमान की पूंछनुमा कांवड़ बनी आकर्षण का केंद्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सोरोंजी।

हनुमान की पूंछ जैसी 131 मीटर लंबी कांवड़, साथ में हनुमान, भगवान शिव और जामवंत का स्वरूप धारण किए शिवभक्त और चारों ओर गूंजते बम भोले के जयकारे रविवार की सुबह लहरा गंगाघाट पर आस्था, भक्ति और अनूठी कांवड़ यात्रा का ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने राहगीरों को भी ठिठककर देखने पर मजबूर कर दिया।

फिरोजाबाद जिले के गांव नाऊआ से करीब 40 शिवभक्तों का जत्था रविवार तड़के सोरोंजी के लहरा गंगाघाट पहुंचा। सभी कांवड़ियों ने गंगा स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और कांवड़ में पवित्र गंगाजल भरा। इसके बाद जत्था भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए फिरोजाबाद के लिए रवाना हुआ। इस कांवड़ यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण 131 मीटर लंबी कांवड़ रही। कांवड़ को भगवान हनुमान की पूंछ का स्वरूप दिया गया था, जो दूर से ही लोगों का ध्यान खींच रही थी। विशाल कांवड़ के साथ धार्मिक पात्रों का स्वरूप धारण किए शिवभक्त भी चल रहे थे। बॉबी निगुआ हनुमान के वेश में नजर आए, जबकि नथुनी प्रसाद ने भगवान शिव और उदय ने जामवंत का स्वरूप धारण किया। हनुमान, शिव और जामवंत के रूप में सजे तीनों शिवभक्तों ने यात्रा में विशेष आकर्षण जोड़ दिया। विशाल कांवड़ और धार्मिक स्वरूपों को देखने के लिए मार्ग में जगह-जगह लोगों की भीड़ जुटती रही। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने शिवभक्तों का स्वागत किया। पूरा यात्रा मार्ग बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।

लहरा गंगाघाट से रवाना हुआ कांवड़ियों का जत्था सोरोंजी, प्रहलादपुर, गोराहा, भिटोना और कासगंज होते हुए फिरोजाबाद की ओर बढ़ा। 131 मीटर लंबी कांवड़ को संभालकर ले जा रहे शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रास्ते में लोग विशाल कांवड़ की तस्वीरें और वीडियो बनाते नजर आए।

हनुमान का स्वरूप धारण करने वाले बाबी निगुआ ने बताया कि वह पहली बार सोरोंजी के लहरा गंगाघाट से गंगाजल लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति और आस्था के साथ यह कांवड़ यात्रा उनके लिए विशेष अनुभव है। विशाल कांवड़ के साथ यात्रा करने को लेकर सभी शिवभक्तों में खासा उत्साह नजर आया।

मौलाना आजाद नगर-भगवानगढ़ी मार्ग पर जलभराव

अलीगढ़। महानगर के वार्ड संख्या 48 (मौलाना आजाद नगर-भगवानगढ़ी मार्ग) में घोर प्रशासनिक लापरवाही के कारण उत्पन्न हुए जलभराव और मासूम स्कूली बच्चों के जीवन को संकट में डालने वाली संवेदनहीनता के खिलाफ आज संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा का गुस्सा कलेक्ट्रेट पर फूट पड़ा। मोर्चा के राष्ट्रीय संस्थापक जितेन्द्र शर्मा के गरिमामयी एवं सशक्त नेतृत्व में मोर्चे के शीर्ष पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी व नगर आयुक्त को संबोधित एक अत्यंत कड़ा व वैधानिक अंतिम चेतावनी कानूनी ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी/एसीएम द्वितीय (एसीएम द्वितीय) श्री पारितोष मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा है।

क्या है पूरा प्रकरण बीते दिनों हुई भारी बारिश के बाद वार्ड 48 के मुख्य मार्ग पर कमर तक पानी भर गया था, जिसके चलते स्कूल से घर लौट रहे मासूम बच्चों की वैन बीच रास्ते में ही गहरे पानी में फंसकर डूबने की कगार पर पहुंच गई। अपनी जीवन रक्षा के लिए छोटे-छोटे स्कूली बच्चों को वैन की छत पर चढ़कर घंटों संकट में फंसे रहना पड़ा।

पानी से जंग, अंधेरे से संघर्ष... बाढ़ के बीच जिंदगी की जद्दोजहद

कहीं पानी में डूबे रास्ते तो कहीं घरों के बाहर ठहरा सैलाब

- राहत के साथ सामान्य जिंदगी लौटने का इंतजार

उदित विजयवर्गीय

टीएनएफ टुडे,पटियाली। गंगा का पानी बढ़ रहा है और उसके साथ तटीय गांवों में रहने वाले ग्रामीणों की मुश्किलें भी बढ़ती जा रही हैं। ऊपर से करीब 22 दिन से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण बाढ़ प्रभावित गांवों में दिन तो किसी तरह कट जाता है, लेकिन रात होते ही जिंदगी और मुश्किल हो जाती है। चारों तरफ पानी, डूबे हुए रास्ते, घरों में सीमित रोशनी और अंधेरे में छिपे जहरीले जीव-जंतुओं का डर ग्रामीणों को चैन से सोने नहीं देता। मूंजखेड़ा, नगला दुर्जन, नगला नरपत, नगला खना, नगला पदम और नगला जयकिशन समेत प्रभावित गांवों में बाढ़ अब केवल पानी की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि बिजली के अभाव ने ग्रामीणों की परेशानियों को कई गुना बढ़ा दिया है।

गंगा का जलस्तर बढ़ते ही ग्रामीणों की निगाह नदी की ओर टिक जाती है। पानी कब और कितना बढ़ेगा, इसका डर हर समय बना रहता है। जिन रास्तों से लोग पैदल बाजार, स्कूल या दूसरे गांवों तक पहुंचते थे, वे अब पानी में डूब चुके हैं। नावें ही आवागमन का प्रमुख सहारा हैं। ऐसे में रात के समय किसी जरूरी काम से घर से निकलना भी जोखिम से खाली नहीं है। अंधेरे पानी में नाव का सफर ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है।

बाढ़ के बीच बिजली की समस्या ने ग्रामीणों की जिंदगी को और कठिन बना दिया है। करीब 22 दिन से बिजली नहीं होने के कारण घरों में पंखे बंद हैं और उमस भरी रातें काटना मुश्किल हो रहा है। दिन में बाढ़ का पानी और रात में अंधेरा, दोनों मिलकर ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। मोबाइल फोन चार्ज करना तक चुनौती बन गया है। बिजली के अभाव में जरूरी सूचनाओं और आपात स्थिति में संपर्क को लेकर भी ग्रामीण चिंतित रहते हैं।

रात होते ही अंधेरा गांवों को अपने घेरे में ले लेता है। पानी से घिरे इलाकों में यह अंधेरा सामान्य अंधेरे से कहीं ज्यादा डरावना है। पानी में सांप, बिच्छू और दूसरे जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। बिजली न होने से पशुओं की देखभाल भी प्रभावित हो रही है। बाढ़ में पहले ही पशुओं के लिए चारा और सुरक्षित स्थान की चिंता बनी हुई है। बाढ़ के बीच स्कूल तक पहुंचने के लिए नाव का सहारा और घर लौटने के बाद बिजली के बिना पढ़ाई नौनिहालों के लिए यह दोहरी चुनौती बन गई है। मुश्किल समय में प्रशासन की ओर से पहुंचाई जा रही राहत सामग्री ग्रामीणों के लिए बड़ा सहारा बनी हुई है। बीमारी और संक्रमण के खतरे को देखते हुए गांवों में छिड़काव कराया जा रहा है तथा स्वास्थ्य टीमें ग्रामीणों तक पहुंच रही हैं।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, पिता ने थाने में दी तहरीर

एटा। अलीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम नगला कटील ससोता निवासी अरविंद पुत्र मिश्रीलाल ने अपनी 20 वर्षीय पुत्री सीमा(काल्पनिक नाम) को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाना अलीगंज में तहरीर दी है। अरविंद के अनुसार करीब तीन वर्ष पूर्व उनके गांव में कथा भागवत का आयोजन हुआ था। इसमें कासगंज जिले के अमांपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जाई निवासी अतेंद्र पुत्र सुरेश ढोलक बजाने आया था। इसी दौरान अतेंद्र ने उनकी पुत्री से बातचीत शुरू कर दी और बाद में फोन पर भी संपर्क में रहने लगा।

अरविंद का आरोप है कि जानकारी होने पर उन्होंने अपनी पुत्री और अतेंद्र को समझाया, लेकिन इसके बावजूद 18 अगस्त की मध्यरात्रि अतेंद्र गांव आया और उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवती घर से 5 लाख 22 हजार रुपये नकद तथा करीब दो लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषण भी साथ ले गई।

पिता ने बेटी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए पुलिस से उसकी सकुशल बरामदगी तथा आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अमांपुर में गोकशी की घटना के बाद हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अमांपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर रोड़ स्थित गांव रानामऊ के जंगल में बीते बुधवार की रात पुलिस और गो-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन गो-तस्करों को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से तीन तमंचे, तीन कारतूस,1 कुंतल गोमांस, मांस काटने के उपकरण और 1 मोटरसाइकिल बरामद की थी। गोकशी की घटना के विरोध में रविवार को आरएसएस, बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद और गोरक्षक दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने रोष व्याप्त किया। मंडल अध्यक्ष चित्तर सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गोकशी के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई को लेकर रविवार को हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मोहनपुर रोड़ पर स्थित रानामऊ गांव के धरने पर बैठ गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने हंगामा कर रहे लोगों को कार्रवाई करने का आश्वासन देकर हंगामा शांत करा दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने बताया कि आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर संघचालक राकेश पाराशर, व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय प्रकाश गुप्ता, भाजपा नेता ब्रिजेश वर्मा, मनोज गुप्ता, बजरंग दल मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता सर्राफ, डां विकास कुमार, पुष्पेन्द्र आरएसएस, संजीव माहेश्वरी, सुखवीर चौहान, सोनू गुप्ता, अंकित पाराशर, शोभित सोलंकी आदि मौजूद रहे।

ज्ञान पान, योग ध्यान और रक्तदान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र कासगंज पर रक्तदान शिविर आयोजित
- रक्तदान से पहले ईश्वरीय ज्ञान व योग ध्यान कराया गया

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित विश्व बंधुत्व रक्तदान महाभियान के अंतर्गत आज ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य थीम ह्लज्ञान पान, योग ध्यान, रक्तदानह्व का संदेश था। जिसके अन्तर्गत रक्तदाताओं को रक्तदान से पूर्व ईश्वरीय ज्ञान तथा ध्यान योग से परिचय कराया गया जिससे कि उनके रक्त में सकारात्मकता आजाये और जिसको भी वह रक्त काम आये उसे शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले।

शिविर में सेवाकेंद्र से जुड़े भाई-बहनों, युवाओं, स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।यह रक्तदान शिविर संयुक्त जिला चिकित्सालय कासगंज, के सहयोग से आयोजित किया गया। सेवाकेन्द्र की वरिष्ठ दीदी करुणा दीदी ने कहा कि विश्व बंधुत्व रक्तदान महाभियान का मुख्य संदेश ह्लएक रक्त, एक मानवता, एक विश्व परिवारह्व है। रक्तदान के माध्यम से समाज में मानवता, निस्वार्थ सेवा और विश्व बंधुत्व की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ करुणा दीदी, नगरपालिका अध्यक्ष मीना माहेश्वरी, अमित कावरा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजेन्द्र बोहरे व मधुर पुण्ढीर ने दीप प्रज्जवलन कर-के तथा दादी प्रकाशमणि जी के चित्र पर माल्यार्पण करके किया।

उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए राजेन्द्र बोहरे ने कहा कि रक्त की आवश्यकता के समय जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र का कोई भेद नहीं रहता। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. संजीव सक्सैना ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी भी जरूरतमंद के जीवन की रक्षा कर सकता है। इसलिए स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

संयुक्त जिला चिकित्सालय कासगंज से डा. मनीष कुमार के नेतृत्व में रक्त संग्रह किया गया उनकी टीम में धर्मेन्द्र कुमार, अंकिता, जगेन्द्र कुमार, राहुलराज, रवि, गौरव, आलोक कुमार, विशाल गुप्ता मौजूद थे।

रेवती मईया मेला में हुआ रसियों का दंगल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

श्री रेवती मईया मेला में विशाल रसिया का दंगल मनोज विजेंद्र शर्मा के संयोजन में हुआ। अखाड़ा खिच्चो आटे वाले मनोज शर्मा व मुकेश देव महाराज बीके मथुआ राया वालों के बीच रसियों का जोरदार मुकाबला हुआ जो कि देर रात तक चला। रसियाप्रेमियो ने इस मुकाबले का भरपूर आनंद लिया। रसियों का संचालन डॉली पहलवान ने किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अतुल आंधीवाल एड, डाङ्क नीरज वार्ष्णेय, बांके बिहारी अपना वाले, समन्वयक अनिल कश्यप, कैलाश चंद्र एडवोकेट, धीरज वार्ष्णेय एडवोकेट, अशोक गुड़ वाले, मुकेश जेवरी, रामगुप्ता प्रेस वाले, आशू आँधीवाल, कुनाल वार्ष्णेय गुड़ वाले, चौधरी राजेंद्र सिंह, मंजू शर्मा, पप्पन पहलवान, मंदिर सेवायत वेदांत चतुर्वेदी, सेतू शर्मा, अनिल सिलाई मशीन, अशोक शर्मा, सतीश पहलवान, मंजू शर्मा उपस्तिथ रहे।

सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 3 तेल, सुख-सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना सुख-सौभाग्य का कारक माना जाता है। अगर आप शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं भोलेनाथ को कुछ ऐसे तेल हैं, जो चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त उनकी कृपा पाने के लिए अनेक प्रकार से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ विशेष तेलों को शिवलिंग पर अर्पित करने से सुख-सौभाग्य और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है? ऐसे ही 3 तेलों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें सावन में शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं तिल का तेल

हिंदू धर्म में तिल का तेल अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। वहीं, भगवान शिव को तिल और तिल से बनी चीजें अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव धरती पर ही वास करते हैं और अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर तिल का तेल चढ़ाने से कई प्रकार के रोग, दोष और कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं चंदन का तेल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंदन का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। चंदन का तेल चढ़ाने से कुंडली में इन ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप सावन के महीने में शिवलिंग पर चंदन का तेल चढ़ाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसो का तेल

आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी सावन में सरसों का तेल अर्पित करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। धन-धान्य में वृद्धि के लिए यह एक प्रभावी उपाय है। जो लोग कर्ज में डूबे हुए हैं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से शिवजी पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे धन लाभ के नए मार्ग खुलते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। अगर घर में लगातार क्लेश रहता है या परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य की कमी है, तो सावन में शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से गृह क्लेश दूर होता है और परिवार में सुख-शांति आती है।

10 तरह के होते हैं शिवलिंग, सबकी अलग तरह से होती है पूजा और मिलता है अलग फल

सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा अराधना कर उनके भक्त उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बहुत सारे भक्त जब तक सावन का महीना चालता है तब तक वह रोज शिवलिंग की पूजा करते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा कैसे करनी चाहिए। जी हां, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं। हर शिवलिंग अलग तरह का फल देता है और उसकी पूजा का तरीका क्या होता है। आपको बता दें कि शिव पुराण में 10 तरह के शिवलिंग बताए गए हैं।

पारद शिवलिंग

अगर आप सावन के महीने में रद्राभिषेक करवाना चाहती हैं तो आपको पारद शिवलिंग का अभिषेक करवाना चाहिए। अगर आप पारद शिवलिंग का रुद्राभिषेक करवाती हैं तो आपके जीवन में हमेशा सुखशांति बनी रहेगी। इतना ही नहीं महिलाएं अगर इस शिवलिंग की पूजा करती हैं तो उनको सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको बता दें कि यह शिवलिंग बेहद छोटे होते हैं और आप इन्हें अपने घर, ऑफिस, दुकान में रख सकती हैं। इस शिवलिंग को स्थापित करने से पहले इसकी पूजा जरूर करें।

मिश्री शिवलिंग

चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है। अगर आपके घर में किसी की तबियत खराब है तो आपको रोजाना मिश्री से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे रोगी का रोग दूर होता है।

जौं और चावल के शिवलिंग

अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में समृद्धि आए तो आपको इसके लिए जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। अगर

आप बहुत समय से संतान के लिए प्रयास कर रही हैं तब भी आपको जौं और चावल से बनें शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

भस्म शिवलिंग

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भस्म आरती फेमस है। मगर यज्ञ की भस्म से बनी शिवलिगं की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अघोरी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भस्म से बने शिवलिंग की पूजा कभी भी नहीं करनी चाहिए।

गुड़ के शिवलिंग

जैसे चीनी के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अन्न को मिला कर भी शिवलिंग बनाए जाते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में कभी अन्न की कमी न हो या आपके खेत में खूब अन्न उपजे तो आपको हमेशा गुड़ और अन्न के बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

फल और फूल के बने शिवलिंग

फल और फूल से भी शिवलिंग बनाए जा सकते हैं। अगर आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई समस्या सता रही है तो आपको फल और फूल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी।

सोने या चांदी के शिवलिंग

वैसे ऐसा कम ही देखा गया है कि कोई सोनी या चांदी क बने शिवलिंग पूजा करता हो। मगर आपको अपने घर में वैभव चाहिए तो आपको सोने और चांदी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

मिट्टी के शिवलिंग

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर रहती हैं या आपकी कुंडली में किसी विषैले जानवर के काटने का दोष है तो आपको मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आप भय मुक्त होंगी।

दही के शिवलिंग

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे इससे आपको धन की प्राप्ति होगी।

लहसुनिया शिवलिंग

अगर आपका कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती हैं।

पुत्रदा एकादशी पर चावल खाने से लेकर तुलसी तोड़ने तक, ये 5 काम हैं सख्त मना!

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है. सावन मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. शास्त्रों में व्रत के दौरान कुछ जरूरी नियमों का पालन करने की सलाह भी दी गई है.

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व माना जाता है. साल में आने वाली 24 एकादशियों में से पुत्रदा एकादशी भी महत्वपूर्ण मानी जाती है.सावन महीने के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को सावन पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 23 अगस्त 2026 को सुबह 2 बजे शुरू होगी और 24 अगस्त को सुबह 4:18 बजे समाप्त होगी. उदया तिथि के अनुसार पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त को रखा जाएगा. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने और व्रत रखने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी के दिन कुछ कामों को करने से बचना चाहिए. आइए जानते हैं वे 5 काम कौन से हैं.

पुत्रदा एकादशी पर चावल क्यों नहीं खाते?

एकादशी के दिन चावल खाने की मनाही बताई गई है. धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए. यही वजह है कि व्रत रखने वाले लोग तो चावल से पूरी तरह परहेज करते ही हैं, लेकिन जो लोग व्रत नहीं रखते, उन्हें भी इस दिन चावल न खाने की सलाह दी जाती है.

तुलसी के पत्ते न तोड़ें

एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना जाता है .लेकिन धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए. अगर पूजा के लिए तुलसी की आवश्यकता हो तो एक दिन पहले ही तुलसी के पत्ते तोड़कर रख लें. तुलसी का पौधा भगवान विष्णु को प्रिय माना जाता है, इसलिए एकादशी के दिन तुलसी के प्रति विशेष श्रद्धा रखने की परंपरा है.

बाल और नाखून काटने से बचें

पुत्रदा एकादशी के दिन बाल और नाखून काटना भी वर्जित माना जाता है.धार्मिक मान्यताओं में एकादशी को पूजा-पाठ और आत्मसंयम का दिन माना गया है. इसलिए इस दिन शरीर से जुड़े ऐसे कामों को टालने की परंपरा है. अगर बाल या नाखून काटने की जरूरत हो तो इसे एकादशी से पहले या बाद में किया जा सकता है.

जीव हत्या या किसी जीव को नुकसान न पहुंचाएं

एकादशी के दिन किसी भी जीव को नुकसान पहुंचाना या जीव हत्या करना धार्मिक दृष्टि से गलत माना जाता है. इस दिन अहिंसा का पालन करने और सभी जीवों के प्रति दया भाव रखने की सलाह दी जाती है.

किसी भी तरह की बुराई और गलत काम से बचें

एकादशी के दिन केवल खान-पान के नियमों का ही नहीं, बल्कि व्यवहार और विचारों में भी संयम रखने की बात कही गई है. इसलिए झूठ बोलना, किसी का अपमान करना, विवाद करना, छल-कपट करना या किसी को नुकसान पहुंचाने जैसी गतिविधियों से बचना चाहिए.धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी व्रत का उद्देश्य केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्मों पर संयम रखना भी है.

पुत्रदा एकादशी का धार्मिक महत्व

पुत्रदा एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से संतान सुख की कामना पूरी होने और परिवार में सुख-समृद्धि आने का आशीर्वाद मिलता है.

पुत्रदा एकादशी कब है? तिथि, पूजा मुहूर्त और महत्व

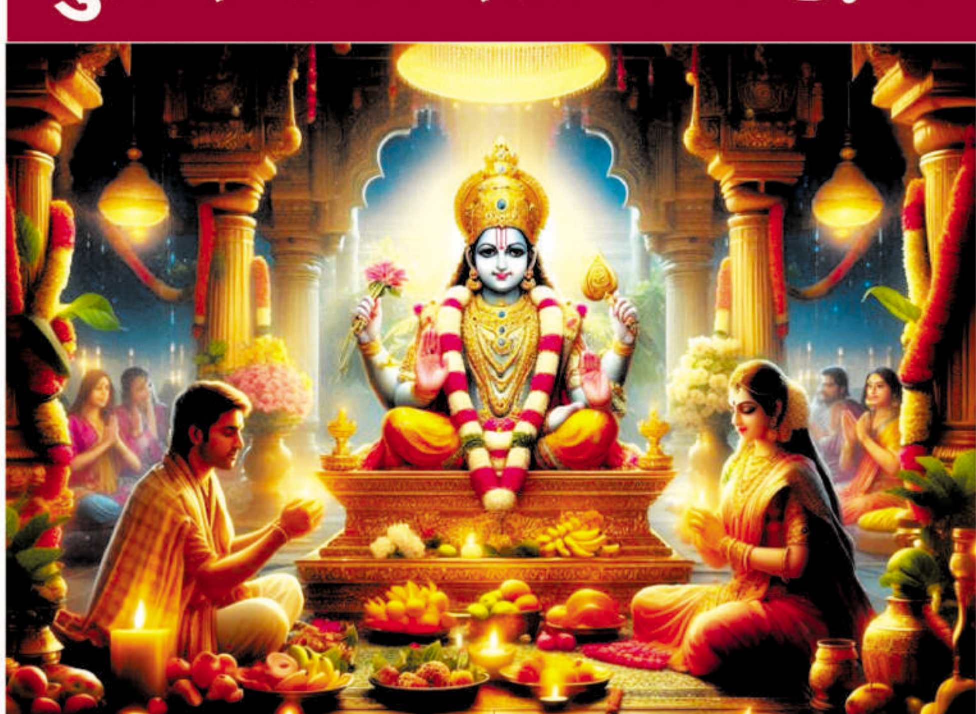

श्रावण पुत्रदा एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित महत्वपूर्ण व्रतों में से एक है। इस दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से सुख-समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं इसकी सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रावण पुत्रदा एकादशी या पवित्रा एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से संतान सुख, संतान के उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना पूरी हो सकती है। इस साल श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त, रविवार को रखा जाएगा। माना जाता है कि इस पवित्र तिथि पर सच्ची श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत-पूजन करने से भगवान श्रीहरि विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और मन को भी सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आइए जानते हैं इस एकादशी की सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और इसके धार्मिक महत्व के बारे में।

एकादशी तिथि और विष्णु पूजा का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, श्रावण पुत्रदा एकादशी 23 अगस्त 2026, रविवार को मनाई जाएगी। एकादशी तिथि 23 अगस्त को रात 2:00 बजे से शुरू होकर 24 अगस्त को सुबह 4:18 बजे तक रहेगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 7:32 बजे से दोपहर 12:24 बजे तक बताया गया है। भक्त इस अवधि में स्नान आदि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन श्रद्धापूर्वक श्रीहरि का स्मरण और पूजन करने से मन को शांति मिलती है और परिवार में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

श्रावण पुत्रदा एकादशी का धार्मिक महत्व

श्रावण पुत्रदा एकादशी को संतान सुख और परिवार की खुशहाली के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, पद्म पुराण में इस एकादशी से जुड़ी कथा का वर्णन मिलता है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा महीजित और राजा सुकेतुमान ने ऋषियों की सलाह पर इस व्रत का पालन किया था। भगवान विष्णु की भक्ति और एकादशी व्रत के प्रभाव से उन्हें योग्य और यशस्वी संतान का सुख प्राप्त हुआ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से संतान की उन्नति, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना पूरी होती है। साथ ही, भगवान श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसा भी माना जाता है कि श्रद्धा और नियम के साथ इस व्रत का पालन करने से व्यक्ति को अपने पुराने कर्मों के नकारात्मक प्रभाव से मुक्ति मिलती है और जीवन की परेशानियां कम होने लगती हैं।

पुत्रदा एकादशी व्रत की पूजा विधि

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करके व्रत का संकल्प लें।
- घर के पूजा स्थान की अच्छी तरह सफाई करने के बाद एक चौकी पर भगवान विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।
- भगवान विष्णु के सामने दीपक और धूप जलाएं और उन्हें फूल, माला आदि अर्पित करें।
- पूजा में रोली, कुमकुम, नैवेद्य सहित अपनी श्रद्धा के अनुसार पूजन सामग्री चढ़ाएं।
- भगवान विष्णु को तुलसी दल जरूर अर्पित करें, क्योंकि विष्णु पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना जाता है।
- इसके बाद पुत्रदा एकादशी की व्रत कथा का पाठ या श्रवण करें और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।
- पूजा के अंत में भगवान विष्णु की आरती करें और परिवार की सुख-समृद्धि व संतान के कल्याण की प्रार्थना करें।

पडिक्कल का शतक; गिल का अर्धशतक

दूसरा टेस्टः श्रीलंका के खिलाफ पहले दिन भारत ने पांच विकेट पर 300 रन बनाए

एजेंसी, कोलंबो।

देवदत्त पडिक्कल के लगातार दूसरे टेस्ट शतक की बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन स्टंप्स तक पांच विकेट पर 300 रन बना लिए। पडिक्कल ने 193 गेंदों में 117 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 12 चौके शामिल रहे।

पुजारा के क्लब में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल के इस शतक के साथ एक खास आंकड़ा भी जुड़ गया है। भारत के नंबर-3 बल्लेबाज के लगातार दो विदेशी टेस्ट में शतक लगाने का इससे पहले उदाहरण 2018/19 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चेतेश्वर पुजारा का था। पुजारा ने मेलबर्न टेस्ट में 106 रन बनाए थे और उसके बाद सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 193 रन की शानदार पारी खेली थी। अब पडिक्कल ने भी विदेशी जमीन पर लगातार टेस्ट शतकों के साथ यह खास उपलब्धि दोहराई है।

पंत की चोट ने बढ़ाई मुश्किल

भारत को उस समय बड़ा झटका लगा जब ऋषभ पंत को तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की गेंद पर फोरआर्म में चोट लगी। पंत सिर्फ 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। इसके बाद पडिक्कल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ गई। पडिक्कल के लिए यह आसान पारी नहीं थी। वह अपने करियर का सिर्फ चौथा टेस्ट खेल रहे हैं और सामने ऐसे गेंदबाज थे जो लगातार उनकी तकनीक की परीक्षा ले रहे थे। इसके अलावा कोलंबो की गर्मी और उमस ने भी बल्लेबाजों की मुश्किल बढ़ाई।

पडिक्कल के लिए यह आसान पारी नहीं थी। वह अपने करियर का सिर्फ चौथा टेस्ट खेल रहे हैं और सामने ऐसे गेंदबाज थे जो लगातार उनकी तकनीक की परीक्षा ले रहे थे। इसके अलावा कोलंबो की गर्मी और उमस ने भी बल्लेबाजों की मुश्किल बढ़ाई।

राहुल ने भी गंवाया मौका

केएल राहुल ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए जयसूर्या की गेंद पर शानदार छक्का लगाया, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। कुमारा के खिलाफ स्क्वायर कट खेलने के प्रयास में उनके बल्ले का किनारा लगा और डिकवेला ने कैच पकड़ लिया। जायसवाल और गिल के अलावा राहुल भी अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। यही वजह रही कि भारत नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा।

गिल के साथ 120 रन की साझेदारी

यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने भी अच्छी शुरूआत की, लेकिन दोनों बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। जायसवाल ने 45 रन बनाए, जबकि गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। पडिक्कल ने गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन की अहम साझेदारी की। जायसवाल ने लाहिरू कुमारा के खिलाफ लगातार दो चौके लगाए और प्रभात जयसूर्या की गेंद पर शानदार कवर ड्राइव भी खेला। हालांकि असिथा फर्नांडो की अंदर आती गेंद ने उनकी पारी का अंत कर दिया। इसके बाद फर्नांडो ने जायसवाल को विदाई भी दी, जिस पर भारतीय बल्लेबाज ने पलटकर जवाब दिया। हालांकि श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने स्थिति को शांत करा दिया। गिल भी अच्छी लय में नजर आ रहे थे। उन्होंने जयसूर्या की गेंद पर शानदार शॉर्ट-आर्म पुल सहित कई आकर्षक शॉट खेले और अपना अर्धशतक पूरा किया। लेकिन इसके तुरंत बाद फर्नांडो की गेंद पर विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को कैच दे बैठे।

पडिक्कल ने धैर्य से पूरा किया शतक

पडिक्कल ने 50 रन 90 गेंदों में पूरे किए। इसके बाद उन्होंने अपनी पारी को और मजबूती से आगे बढ़ाया। तेज गेंदबाजों ने शॉर्ट गेंदों से उनकी परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने जरूरत के मुताबिक गेंदों को छोड़ा या नियंत्रित तरीके से खेला। स्पिनरों को टर्न और उछाल मिला तो पडिक्कल ने डेड बैट का इस्तेमाल कर खतरे को टाला। 99 रन पर पहुंचने के बाद उन्होंने जयसूर्या की गेंद को चौके के लिए भेजा। इसके दो गेंद बाद एक रन लेकर उन्होंने अपना शतक पूरा किया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर उन्होंने कुछ पल जश्न मनाया, लेकिन तुरंत फिर बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित कर लिया। हालांकि आखिरकार केशारा नुवांथा ने उनकी पारी का अंत किया और गेंद ने पडिक्कल के डिफेंस को भेदते हुए स्टंप उखाड़ दिए। लेकिन तब तक वह भारत को सुरक्षित स्थिति में पहुंचा चुके थे।

जडेजा भी चोटिल, 43 रन बनाकर लौटे

रवींद्र जडेजा ने पडिक्कल के साथ चौथे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। लेकिन कुमारा की गेंद उनके भी फोरआर्म पर लगी और वहां सूजन दिखाई देने लगी। जडेजा 43 रन बनाकर फर्नांडो की अंदर आती गेंद पर बोल्ड हो गए।इसके बाद पडिक्कल ने भारत की पारी को संभाले रखा और दिन के अंत तक टीम को 300 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

सिर्फ 2 दिन में खत्म हुआ मकाय टेस्ट! 750 गेंदों में ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत, स्टार्क ने बरपाया कहर

एजेंसी, मकाय

ऑस्ट्रेलिया ने मकाय के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। मुकाबला सिर्फ दो दिन में खत्म हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 210 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की दोनों पारियां क्रमशः 64 और 95 रन पर सिमट गईं। इस मुकाबले में तेज गेंदबाजों का पूरी तरह दबदबा रहा। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने मैच में 10 विकेट लिए, जबकि बांग्लादेश के शोरिफुल इस्लाम ने 7/48 का शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ मकाय टेस्ट में कई बड़े रिकॉर्ड भी बने।

सिर्फ 750 गेंदों में खत्म हुआ टेस्ट

मकाय टेस्ट में कुल 750 गेंदें फेंकी गईं। यह ऑस्ट्रेलिया में गेंदों के लिहाज से दूसरा सबसे छोटा पूरा हुआ टेस्ट मैच है। इससे पहले 1931-32 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सिर्फ 656 गेंदों में खत्म हुआ था। दुनिया में 750 गेंदों का यह मुकाबला सबसे कम गेंदों में पूरे हुए टेस्ट मैचों की सूची में चौथे स्थान पर है। सबसे छोटा टेस्ट 2023-24 में केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच खेला गया था, जो सिर्फ 642 गेंदों में समाप्त हुआ था।

ऑस्ट्रेलिया ने 210 रन बनाकर दर्ज की पारी से जीत

टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बांग्लादेश की पहली पारी महज 64 रन पर समाप्त हो गई। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया भी 210 रन पर ऑलआउट हो गया, लेकिन उसे पहली पारी में 146 रन की बढ़त मिल गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन ने 67 रन, स्टीव स्मिथ ने 42 रन और नाथन लियोन ने 32 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम ने सात विकेट झटके। 210 रन का ऑस्ट्रेलिया का पहली पारी का स्कोर भी रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गया। यह 210 या उससे कम रन बनाकर पारी के अंतर से टेस्ट जीतने वाले सबसे कम स्कोरों में चौथे स्थान पर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 1945-46 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 199/8 घोषित करके पारी और 103 रन से जीत दर्ज की थी।

बांग्लादेश की दोनों पारियां 100 के अंदर सिमटी

146 रन से पिछड़ने के बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी भी ज्यादा देर नहीं चली। पूरी टीम 95 रन पर आउट हो गई। इस तरह बांग्लादेश ने दोनों पारियों में 100 रन का आंकड़ा पार नहीं किया। पहली पारी में 64 और दूसरी पारी में 95 रन के साथ बांग्लादेश का मैच एग्रीगेट सिर्फ 159 रन रहा। यह टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश का सबसे कम मैच एग्रीगेट है। इससे पहले उसका सबसे कम मैच एग्रीगेट 187 रन था, जो उसने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नॉर्थ साउंड में बनाया था।

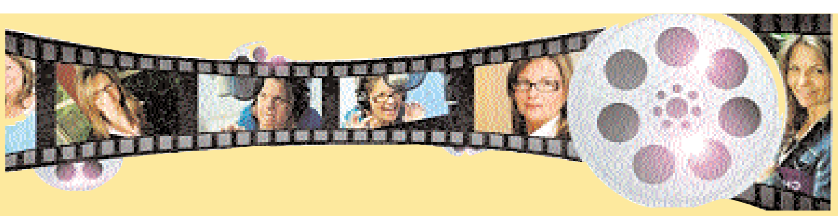

मनोरंजन

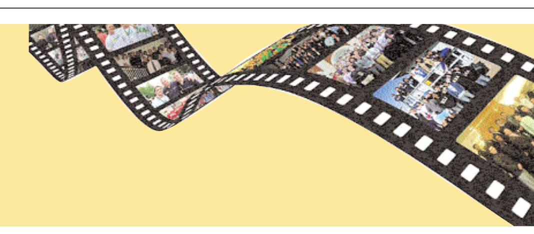

‘उफ्फ...क्या परफॉर्मेंस है’, करीना ने माइकल फिल्म की जमकर की तारीफ

सोशल मीडिया पर करीना कपूर का एक वीडियो सामने आने के बाद लोग कयास लगाने लगे कि एक्ट्रेस अपने तीसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। अब एक्ट्रेस ने इन खबरों के बीच एक खास स्टोरी शेयर की है।

करीना ने की इस फिल्म की तारीफ

करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म माइकल की स्टोरी शेयर की। उन्होंने हॉलीवुड स्टार जाफर जैक्सन की फिल्म ‘माइकल’ में उनकी परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की है। करीना ने फिल्म को देखने लायक बताया और अपनी तारीफ को एक छोटे से लेकिन दमदार शब्द ‘उफ्फ’ के साथ जाहिर किया। करीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीवी स्क्रीन की एक तस्वीर शेयर की, जिस पर ‘Michael’ फिल्म चल रही थी। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ‘उफ्फ क्या फिल्म है... क्या परफॉर्मेंस है।’

फिल्म 'माइकल' के बारे में बता दें कि फिल्म ‘माइकल’ 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में जाफर जैक्सन लीड रोल में नजर आए थे। इस रोल के लिए उन्हें दर्शकों से और क्रिटिक्स से काफी तारीफें मिली थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की थी। अब करीना ने भी स्टोरी शेयर कर उनके परफॉर्मेंस की तारीफ की है।

कैसे शुरू हुई करीना की प्रेग्नेंसी की चर्चा?

दरअसल, हाल ही में करीना कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में वह जिम से निकलकर अपनी कार की तरफ जाती हुई नजर आईं। इस दौरान उनकी टीम का एक सदस्य उनके सामने छाता लेकर चल रहा था, जिससे पैपराजी को उनका लुक ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था। वीडियो सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने करीना के लुक को देखकर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर कयास लगाना शुरू कर दिया।

हालांकि, करीना की तरफ से ऐसी किसी खबर की पुष्टि नहीं की गई है।

एडवांस बुकिंग में यश की ‘टॉक्सिक’ का जलवा

एडवांस बुकिंग में यश की ‘टॉक्सिक’ का जलवा यश की मच अवेटेड फिल्म ‘टॉक्सिक’ की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है और फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। एडवांस बुकिंग शुरू होते ही लोगों ने तेजी से टिकट बुक करना शुरू कर दिया है।

48 घंटे में कमाए करोड़ों रुपये

रविवार सुबह तक बुक माय शो पर ‘टॉक्सिक’ हर घंटे करीब 10 हजार टिकट बेच रही थी। रिलीज से चार दिन पहले यह एक बड़ी संख्या है। फिल्म ने सिर्फ 48 घंटे में एडवांस बुकिंग से 18 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया।

रविवार सुबह तक फिल्म ने भारत में सभी भाषाओं को मिलाकर 4.7 लाख से ज्यादा टिकट बेच दिए थे। इसमें सिर्फ ओरिजिनल कन्नड़ वर्जन से करीब 10 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई शामिल है। फिल्म के हिंदी डब वर्जन को भी इंडस्ट्री की उम्मीद से बेहतर रिस्पॉन्स मिल रहा है। रविवार सुबह 8 बजे तक हिंदी वर्जन ने सिर्फ पहले दिन की एडवांस बुकिंग से 8 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई कर ली थी।

इन बड़ी फिल्मों को छोड़ा पीछे

फिल्म ने एडवांस बुकिंग की रफ्तार में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें ये फिल्में शामिल हैं-
शाहरुख खान की ‘जवान’ (1.5 लाख टिकट)
रणवीर सिंह की ‘धुरंधर 2’ (1.3 लाख टिकट)
रणबीर कपूर की ‘एनिमल’ (55 हजार टिकट)
सिर्फ ‘टॉक्सिक’ के हिंदी वर्जन की बात करें तो इसने पहले 24 घंटे में 60 हजार टिकट बेच दिए। यानी हिंदी वर्जन ने भी ‘एनिमल’ की एडवांस बुकिंग को पीछे छोड़ दिया है।

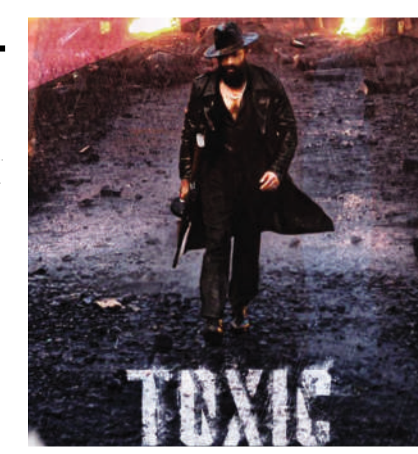

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष

नन्द के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की

हरीमोहन रावत, मथुरा

भले ही 16 कला अवतारी योगेश्वर श्री कृष्ण का जन्म आज से लगभग 5254 वर्ष पहले हुआ हो, लेकिन कान्हा की अर्जुन को युद्ध में दिए गए उपदेश आज भी सार्थक हैं। ऐसा लगता है मानो विश्व के युवाओं को दिशा दे रहे हों। तनाव भरे जीवन में इन्हीं की पतवार जीवन रूपी भव सागर से आसानी से पार हो सकती है। न मानो तो गोता लगा के देखो- कुरूक्षेत्र युद्ध मैदान में जब धनुर्धारी अर्जुन दिशा भ्रमित हो गए तब केशव ने उन्हें उबारा। ये वो सात बातें हैं जो आज भी जीवंत हैं। उन्होंने कहा कि कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। कर्म करो, फल की चिंता मत करो। कर्म से पहले ही चिंता सताएगी तो कर्म निष्ठा से नहीं हो सकेगा। दूसरी बात है डरो नहीं साहसी बनो। चुनौतियों का सामना करना चाहिए। गीता में उल्लिखित उपदेशों में यह भी युवाओं के लिए प्रेरक है। तीसरा मुख्य मार्ग रहा है जीवन में संतुलन बनाए रखने का। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया कि जीवन में संतुलन बनाए रखें। किसी एक चीज पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने से बचें। सटीक जीवन जीने की यही कला आज आपको अवसादों से दूर रख सकती है।

चौथी बात जो गीता में मार्ग दर्शक है वह है लक्ष्य का निर्धारण। आज बच्चे पर माता पिता अपना लक्ष्य थोपते हैं। जबकि बच्चे की पसंद का कम ध्यान रखा जाता है। जीवन में सफलता के लिए लक्ष्य का निर्धारण आवश्यक है। लक्ष्य निर्धारित कर उसे अर्जित करने में लगन ही सफलता देती है। क्योंकि हर जगह मन भटकाव शक्ति को नुकसान करता है।

पांचवीं बात जो द्वारकेश्वर कहा कि ये अर्जुन ज्ञान एवं बुद्धिमता का प्रयोग करो। कई बार ऐसे स्थान पर युवक जा पहुंचते हैं जहां से कई रास्ते दिखते हैं, वहां उसे ज्ञान एवं बुद्धिमता का उपयोग कर लक्ष्य अर्जित करना चाहिए। जीवन को सार गर्भित एवं भव्य बनाने के लिए यह आवश्यक अंग है।

छठवीं बात जो युवाओं के लिए प्रेरक है वह है आलोचनाओं न डरना। श्रीकृष्ण कहते हैं कि उठो और जबाव दो। किसी की आलोचना से डरकर बैठ जाना कायरता है। आलोचना को धैर्य के साथ आत्मसार करो और सैयम से सफल होकर उसका उत्तर दो।सातवां उपदेश जो सनातन धर्म को और बल देता है, वह है दुश्मन को अपना आचरण में सुधार का एक मौका देना। साथ ही वह सचेत रहने को भी कहते हैं। आओ हम सभी युवा अपने आराध्य की हजारों वर्ष पुरानी बातों का आत्मसार कर विश्वगुरू बनने को आगे बढ़ें। दीगर बात यह है कि पूरा पाश्चात्य इसका लाभ ले रहा है, और हम लोग इसकी परिवार में चर्चा तक नहीं करते।

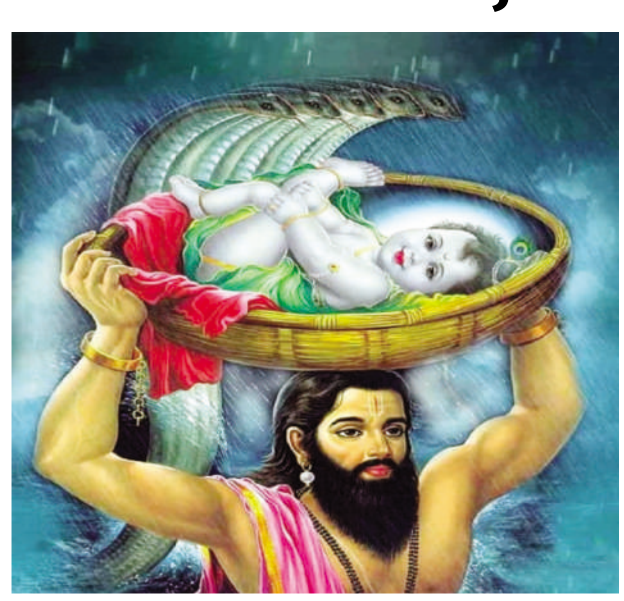

युधिष्ठिर ने मनाया था सर्व प्रथम श्री कृष्ण जन्मोत्सव

शास्त्रों में इस आशय के पर्याप्त प्रमाण विद्यमान है जिससे यह सिद्ध होता है कि मथुरा में योगेश्वर का जन्मदिन पूरे दिन उपवास रहकर पूरी तरह कन्हैया को समर्पित भाव से भजन कीर्तन कर मनाया था। वहीं से यह प्रथा आज तक चली हा रही है।

ब्रज में घर घर जन्म लेते हैं कान्हा

संसार के भक्तजन जब श्री कृष्ण जन्मस्थान पर अपने आराध्य के दर्शन को उमड़ रहे होते हैं, उस समय संपूर्ण ब्रज में घर घर में उल्लास का वातावरण होता है। पूरे दिन कंद मूल फल खाकर अपने लाड़ले बाल स्वरूप कन्हैया का जन्मोत्सव मनाते हैं। यहां प्रचलित है कि कि अजन्मे का जन्म हो रहा है। घर घर यहां देवालय बन जाता है। अपनी सामर्थ्यानुसार सभी लाला का जन्मोत्सव में लीन हो उठते हैं। यह पल वैकुंठ से भी ज्यादा फलदाई माना गया है। संपूर्ण अनूठे आनंद से ओत प्रोत हो उठता है। अब यह आवश्यक है कि इसका विधान की जानकारी कर ली जाए कि इसे कैसे मनाएं।

कैसे मनाई जाएगी जन्माष्टमी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मथुरा-वृन्दावन में तैयारियां तेज हो गई हैं। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि और ब्रज की पावन धरती एक बार फिर भक्ति, आस्था और उल्लास से सराबोर होने जा रही है। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में विशेष सजावट, फूल बंगले, विद्युत रोशनी और आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारकाधीश मंदिर, वृन्दावन के बांके बिहारी मंदिर, बलदेव में बलदाऊ मंदिर, बरसाना स्थित श्रीजी मंदिर, गोवर्धन स्थित गिरिराज मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। श्रद्धालु दूर-दूर से ब्रज पहुंचकर कान्हा के जन्मोत्सव में शामिल होंगे।

आधी रात को होगा कान्हा का जन्म

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि में हुआ था। इसी परंपरा के अनुसार जन्माष्टमी की रात भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंदिरों में रात के समय भगवान का अभिषेक, पंचामृत स्नान, विशेष श्रृंगार और आरती होगी। जैसे ही मध्यरात्रि में जन्म का समय होगा, मंदिरों में घंटे-घड़ियाल और शंख की ध्वनि गूंज उठेगी। ‘नन्द के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की’ के जयघोष से पूरा ब्रज गूंज उठेगा।

घर-घर सजेंगे लड्डू गोपाल

मथुरा-वृन्दावन के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी लोग अपने घरों में जन्माष्टमी की विशेष तैयारी करेंगे। घरों में छोटे-छोटे पालने सजाए जाएंगे। लड्डू गोपाल को नए वस्त्र पहनाकर उनका विशेष श्रृंगार किया जाएगा। भक्त पंचामृत से अभिषेक कर माखन-मिश्री, पंजीरी, फल और विभिन्न प्रकार के मिष्ठान का भोग लगाएंगे। कई घरों में बच्चों को बाल कृष्ण और राधा के रूप में सजाया जाएगा। घरों में भजन-कीर्तन और कृष्ण जन्म की झांकियां भी सजाई जाएंगी।

मथुरा से वृन्दावन तक कृष्णमय होगा ब्रज

जन्माष्टमी के दौरान मथुरा, गोकुल, महावन, वृन्दावन और गोवर्धन सहित पूरे ब्रज क्षेत्र में धार्मिक उत्सव का वातावरण रहेगा। श्रद्धालु मंदिरों के दर्शन के साथ ब्रज की परिक्रमा और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना करेंगे। ब्रजवासियों के लिए जन्माष्टमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि अपने लाला के जन्म का उत्सव है। यही कारण है कि यहां जन्माष्टमी का उल्लास घर-घर और गली-गली दिखाई देता है।

घर-घर कान्हा, मन-मन कृष्ण

जन्माष्टमी की रात जब कान्हा का जन्म होगा तो हर भक्त के मन में यही भावना होगी कि आज हमारे घर भी नंदलाल पधारे हैं। कहीं पालना झूलेगा, कहीं शंख बजेगा, कहीं भजन गूंजेंगे और कहीं भक्त अपने लाला को माखन-मिश्री का भोग लगाएंगे।

मंत्र का जाप

ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः

क्या खाएं क्या नहीं

मथुरा-वृन्दावन की जन्माष्टमी का यही अद्भुत स्वरूप है। यहां भगवान श्रीकृष्ण केवल मंदिर में नहीं, बल्कि भक्तों के घर-घर और मन-मन में जन्म लेते हैं। पं. अजय कुमार तैलंग, ज्योतिषाचार्य ने बताया है कि व्रत सदैव योगेश्वर को कह कर श्रद्धा के साथ रखना चाहिए। इसमें फल, दूध, दही, छाछ, मखाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू या राजगीरे की रोटी, पूरी, साबूदाना, सामक के चावल, आलू, शकरकंद, सेंधा नमक, मूंगफली, सूखे मेवे, माखन एवं मिश्री का सेवन कर सकते हैं। गेहूं, चावल और सामान्य आटा, दालें और फलियों की सब्जियां, साधारण नमक, प्याज-लहसुन के साथ मांसाहार एवं शराब का सेवन वर्जित है।